विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911
सोफा, दीवान, कुर्सी, पलंग, डाईनिंग टेबल, सर्विंग टेबल सहित सभी प्रकार के फर्नीचरों के निर्माता एवं विक्रेता
शारदा विहार, रेल्वे क्रासिंग के पास, पावर हाउस रोड, कोरबा

# तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 35 अंक 141 | कोरबा, मंगलवार, दिनांक 20 फरवरी 2024 डाक 21 फरवरी 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

**विविधा**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चौथे ग्राउंडब्रेकिंग समारोह के दौरान 14000 परियोजनाओं का शुभारंभ किया



**देश-विदेश**
नीतीश के सारे आरोप झूठे और मनगढंत, अभिनेता की आईएएस पत्नी स्मिता भारद्वाज ने दिए जवाब



**फीचर पेज**
ज्यादा मीठा खाएंगे तो जल्दी बूढ़े हो जाएंगे आप

# कल सुबह 11 बजे किसान करेंगे दिल्ली कूच, नेट बंद, किसानों के ऐलान के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

**चंडीगढ़, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

केंद्र सरकार की ओर से मसूर, उड़द, अरहर (तूर), मक्की और कपास की फसल पर अनुबंध की शर्त पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी का प्रस्ताव किसानों ने नामंजूर कर दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि सरकार के साथ वार्ता जारी रखेंगे। 21 फरवरी की सुबह 11 बजे दिल्ली कूच किया जाएगा। किसान नेता जयसिंह जलबेड़ा ने कहा कि 21 फरवरी को हम दिल्ली कूच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पहले हमारी कोशिश है कि शांतिपूर्ण वार्ता से हल निकल जाए, अगर हल नहीं निकलता है तो दिल्ली कूच करेंगे। चाहें फिर टकराव में लाठियां और आंसू गैस के गोले ही क्यों न झेलने पड़ जाएं। वहीं हरियाणा में किसानों को काफी सख्ती से सरकार और प्रशासन ने रोक रखा है हम बैरिकेड से आगे बढ़ेंगे तो हरियाणा के किसान भी हमारे साथ आगे जुड़ जाएंगे। किसान नेता रणजीत राजू ने बताया कि सरकार का एमएसपी से जुड़ा प्रस्ताव किसी काम का नहीं है। वह कह रहे हैं हमारे पास डाटा है और रिकॉर्ड है। अगर किसान धान छोड़कर मक्का, बाजरा या कोई दूसरी फसल बोते हैं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी दिया जाएगा। मगर धान और गेहूं पंजाब हरियाणा में है। हरियाणा में भी कुछ क्षेत्र में ही धान होता है। मगर जो दूसरे राज्य हैं वह क्या करेंगे। जैसे राजस्थान में हम तो चना, सरसों, गेहूं, ग्वार, बाजरा, ज्वार, अरहर, उड़द और दूसरी फसल बोते हैं, उनका क्या होगा। अब कर्नाटक की तरफ किसान बीज की खेती करता है उसे कैसे इस फार्मूले से एमएसपी मिलेगा। सरकार को सभी किसानों की तरफ देखना होगा। यह फार्मूला तो किसानों के साथ मजाक जैसा है। अभी भी सरकार किसानों को उलझाने का काम कर रही है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी के बदले केंद्रीय मंत्रियों की ओर से जो प्रस्ताव सामने आया है, वह हमारी मांगों की सहमति के मापदंडों पर बहुत दूर है। दरअसल, मंत्रियों ने किसान संगठनों को एमएसपी की नहीं, बल्कि खरीद के कॉन्ट्रैक्ट की गारंटी दी है। यानी करार के तहत सरकार की नोडल एजेंसियों के माध्यम से पांच साल के लिए फसलों की खरीद सुनिनिश्चत की जा रही है। पांच साल के बाद सरकार का अगला कदम क्या होगा, इस पर कोई प्लान नहीं है। किसानों की तीन प्रमुख मांगें हैं। इनमें सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी, कर्जमाफी और बिजली अधिनियम वापस लेना शामिल हैं।

पांच या सात साल के करार से प्रस्ताव से किसानों को कोई लाभ नहीं होगा, क्योंकि इस प्रस्ताव के साथ केंद्रीय मंत्रियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि खरीद की कोई तय सीमा नहीं होगी। एमएसपी की कानूनी गारंटी पर अब तक केंद्रीय मंत्रियों और किसान संगठनों के बीच चंडीगढ़ में चार बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन हल नहीं निकल पाया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद तीन बार इस बैठक में शामिल हो चुके हैं। इससे पहले रविवार रात को चौथे दौर की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने धान और गेहूं के अलावा पांच अन्य फसलों पर एमएसपी गारंटी का प्रस्ताव पेश किया था। इसके लिए किसानों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) से पांच साल का करार करना होगा।

## लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान मार्च महीने में

**नईदिल्ली, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

2024 लोकसभा चुनाव कब होंगे, फिलहाल, यह सवाल बरकरार है। इसी बीच खबरें हैं कि ECI यानी भारत निर्वाचन आयोग मार्च के दूसरे सप्ताह में तारीखों का ऐलान कर सकता है। कहा जा रहा है कि आयोग पहले जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति जानना चाह रहा है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अप्रैल-मई में चुनाव हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि आयोग 9 मार्च के बाद तारीखों का ऐलान कर सकता है। फिलहाल, चुनाव अधिकारी राज्यों का दौरा कर जानकारियां जुटा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संकेत ये भी मिल रहे हैं कि 2024 का चुनावी कैलेंडर 2019 जैसा ही हो सकता है। साल 2019 में लोकसभा की 543 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव हुआ था। आयोग ने 10 मार्च को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। उस दौरान निर्वाचन आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, वोटिंग का पहला चरण 11 अप्रैल को हुआ था। दूसरे चरण में 18 अप्रैल, तीसरे चरण में 23 अप्रैल, चौथे चरण में 29 अप्रैल, पांचवे चरण में 6 मई, इसके बाद 12 मई और अंतिम चरण का मतदान 19 मई को हुआ था।

## शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत, सेंसेक्स 116 अंक फिसला, निफ्टी 22100 के नीचे



**नईदिल्ली।** शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन कमजोर शुरुआत हुई है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक फिसल गया। हालांकि, बाजार में निचले स्तरों पर थोड़ी खरीदारी दिखी। सुबह 09 बजकर 42 मिनट पर सेंसेक्स 24.80 (0.03 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 72,683.36 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 10.41 (0.05 प्रतिशत) अंक फिसलकर 22,111.85 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले, एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक रुझानों के बाद भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। इस दौरान इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस के शेयरों में बिकवाली दिखी।

## करगिल में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई तीव्रता

**करगिल।** केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के करगिल जिले में सोमवार रात 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, इससे किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूंकप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप रात नौ बजकर 21 मिनट पर आया और इसका केंद्र करगिल से 148 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।

## जम्मू में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम मोदी

**कश्मीर 20 फरवरी [एजेंसी]।**



जम्मू में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, इतिहास में पहली बार पंचायतों तथा शहरी स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए सीटों का आरक्षण किया गया है। संवैधानिक बाध्यता के कारण पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव नहीं हो सके, अब इस आरक्षण के बाद उस चुनाव को समय से कराने की व्यवस्था की जाएगी। पीएम मोदी ने पूरे देश में शिक्षा और कौशल बुनियादी ढांचे के उन्नयन और विकास की दिशा में बढ़ाए गए कदम के तहत प्रधानमंत्री 13375 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया।

राष्ट्र को समर्पित की जाने वाली परियोजनाओं में आईआईटी जम्मू, भिलाई व तिरूपति, आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम, भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) कानपुर के स्थायी परिसर तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के देवप्रयाग (उत्तराखंड) और अगरतला (त्रिपुरा) स्थित दो परिसर शामिल हैं।

## महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी मराठा आरक्षण बिल के मसौदे को मिली मंजूरी



**मुंबई, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

महाराष्ट्र कैबिनेट ने शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत मराठा आरक्षण के बिल के मसौदे को मंजूरी दी। पिछले चार दशकों से चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए शिंदे सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है।

मसौदे में सरकार ने उन त्रुटियों को दूर कर लिया है, जिसके आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण को खारिज कर दिया था। राज्य विधानमंडल के एक विशेष सत्र में मराठों को 50 प्रतिशत से ऊपर आरक्षण देने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। एक दशक में यह तीसरी बार है जब राज्य ने मराठा कोटा के लिए कानून पेश किया गया है। यह विधेयक तत्कालीन देवेंद्र फड़नवीस सरकार द्वारा पेश किए गए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग अधिनियम, 2018 के समान है।

## युद्धाभ्यास से पहले नौसेना ने दिखाई ताकत, आसमान से बरसाए गोले, समुद्री चरण का अभ्यास 24 से



**विशाखापट्टनम, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

भारतीय नौसेना विशाखापट्टनम में अब तक के सबसे बड़े बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास 'मिलन-2024' का आयोजन कर रही है। 16 से 27 फरवरी तक चलने वाले अभ्यास में 50 देशों की नौसेनाएं भाग लेंगी। नौसेना अभ्यास का 12वां संस्करण दो प्राथमिक चरणों में आयोजित होगा, पहला- बंदरगाह में तो दूसरा समुद्र में। भारतीय नौसेना ने सोमवार शाम पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) की मेजबानी में एक ऑपरेशनल डेमो रिहर्सल आयोजित किया। इस दौरान नौसेना के लड़ाकू विमानों ने आसमान से गोले बरसाए।

इस कार्रवाई ने दुनिया के सामने भारतीय नौसेना का लोहा मनवा दिया। अभ्यास का बंदरगाह चरण 19 से 23 फरवरी तक है। विभिन्न जटिल अभ्यास और युद्धाभ्यास वाला समुद्री चरण 24 से 27 फरवरी तक होगा। नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि औपचारिक उद्घाटन समारोह बुधवार को होगा। बंदरगाह चरण में उद्घाटन समारोह, अंतरराष्ट्रीय सिटी परेड, अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेमिनार, मिलान टेक एक्सपो और टेबल टॉप अभ्यास सहित अन्य शामिल हैं। समुद्री चरण के दौरान नौसेनाएं उन्नत वायु रक्षा, पनडुब्बी रोधी और सतह रोधी युद्ध अभ्यास करेंगी। हवाई और सतही लक्ष्यों पर गनरी शूट, युद्धाभ्यास भी होगा।

## मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत, सुल्तानपुर कोर्ट से मिली जमानत



**लखनऊ, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी को मानहानि केस में जमानत मिल गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी के आरोप में यहां चल रहे मुकदमे में सांसद राहुल गांधी मंगलवार को कोर्ट में पेश हुए। भारी सुरक्षा के बीच पेश हुए कांग्रेस नेता को कोर्ट ने जमानत दे दी। साल 2018 के मानहानि मामले में पेशी के लिए राहुल गांधी सुलतानपुर कोर्ट पहुंचे थे। सुलतानपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने उनको जमानत दे दी और वो वहां से अमेठी के लिए निकल गए। गौरतलब है कि राहुल गांधी इन दिनों अमेठी में रुके हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा से राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की जनता को साधने में लगे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिला न्यायालय से जमानत मिलने पर अधिवक्ता संतोष पांडे ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आज अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने आत्मसमर्पण किया और अदालत ने उन्हें 30-45 मिनट के लिए हिरासत में ले लिया। उसके बाद , उनकी जमानत याचिका प्रस्तुत की गई थी और (अदालत द्वारा) स्वीकार कर ली गई थी। अधिवक्ता संतोष पांडे ने बताया कि राहुल गांधी ने अपना लोकल बान्ड दाखिल किया। उन्हें 25-25 हजार की सिक्योरिटी और 25 हजार के बेल बॉन्ड पर जमानत दी गई। आगे की तारीख अभी नहीं दी गई है। उनके वकील ने कहा कि वह निर्दोष हैं और उन्होंने कोई मानहानिकारक बयान नहीं दिया है। राहुल गांधी के आने पर जिंदाबाद के नारे भी लगे। राहुल गांधी कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट पहुंचे। राहुल गांधी के समर्थकों का हूजूम यहां उमड़ा।

## कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के लिए पुतिन ने तोड़ा UNSC का नियम, रूसी राष्ट्रपति ने गिफ्ट की स्पेशल कार

**प्योंगांग 20 फरवरी।** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को एक रूसी निर्मित कार उपहार में दी है। यह दोनों नेताओं के बीच के आपसी मजबूत संबंधों को दर्शा रहा है। योनहाप ने केसीएनए का हवाला देते हुए बताया कि



यह उपहार दोनों नेताओं के बीच विशेष व्यक्तिगत संबंधों का स्पष्ट प्रदर्शन है। रूस ने कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के सचिव और उत्तर कोरियाई नेता की बहन किम यो-जोंग को वाहन उपहार में देने की जानकारी दे दी है। किम यो-जोंग ने किम जोंग उन को पुतिन के उपहार के लिए रूसी पक्ष को धन्यवाद दिया। पिछले साल सितंबर में, पुतिन ने शिखर सम्मेलन के लिए रूस में वोस्तोचन अंतरिक्ष बंदरगाह की अपनी यात्रा के दौरान किम जोंग उन को अपना वाहन ऑरस सीनेट लिमोसिन दिखाई थी। पुतिन ने उन्हें रूस निर्मित लग्जरी वाहन में सफर भी कराया था।

## उज्जैन जिले में मावा बनाने की फैक्ट्री में विस्फोट, चार लोग गंभीर घायल

**उज्जैन 20 फरवरी।** जिले में मावा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह विस्फोट मावा फैक्ट्री के बायलर में हुआ है। बताया जाता है कि घायलों को उपचार के लिए रतलाम के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पता चला है कि विस्फोट आज सुबह करीब सात बजे हुआ। बायलर में धमाका इतना जोरदार था कि इसकी चपेट में आए चार मजदूर दूर जाकर गिरे। धमाके बाद फैक्ट्री में अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया।

## हाईकोर्ट की इजाजत पर संदेशखाली जा रहे सुवेंदु अधिकारी को पुलिस ने रोका, बीजेपी नेताओं का हंगामा, धरने पर बैठे

**कोलकाता, 20 फरवरी ।**

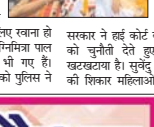



कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा सशर्त अनुमति मिलने के बाद बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता व भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी मंगलवार सुबह उत्तर 24 परगना जिले के अशांत संदेशखाली के लिए रवाना हो गए। सुवेंदु के साथ विधायक अग्निमित्रा पाल समेत कुछ अन्य भाजपा नेता भी गए हैं। हालांकि, उन्हें और अन्य नेताओं को पुलिस ने संदेशखाली जाने से रोक दिया है। पुलिस ने सुवेंदु को धामाखाली में रोक दिया। सुवेंदु का कहना है कि ममता सरकार हाई कोर्ट का निर्देश भी नहीं मान रही है। वहीं राज्य सरकार ने हाई कोर्ट की एकल पीठ के निर्देश को चुनौती देते हुए खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया है। सुवेंदु यौन शोषण व अत्याचार की शिकार महिलाओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए संदेशखाली जाने वाले थे। इसके अलावा भाजपा ने संदेशखाली कांड की एनआईए जांच की मांग की है। सुबह करीब नौ बजे कड़ी सुरक्षा में ये सभी कोलकाता से रवाना हुए। सुवेंदु संदेशखाली में यौन शोषण व अत्याचार की शिकार महिलाओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर जमीनी हालात का जायजा लेंगे। सुवेंदु ने पिछले सप्ताह दूसरी बार संदेशखाली जाने से पुलिस द्वारा रोके जाने पर कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

डिलाईट फैशन
ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा
Wedding Collection
कोटसूट | शेरवानी | इंडोवेस्टर्न
ब्लेज़र | जोधपुरी | लहंगा



प्लॉट नं. 81, टीवीएस शोरूम के बगल में, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो. : 8120594099

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद )
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

## 'अनुपमा' एक्टर ऋतुराज सिंह का हुआ निधन 59 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा



**मुंबई, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

टीवी इंडस्ट्री के जाने- माने अभिनेता ऋतुराज सिंह का निधन हो गया है। बीती रात कार्डिएक अरेस्ट के चलते उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। एक्टर के निधन की खबर से मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। 59 साल के ऋतुराज सिंह पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। अस्पताल में उनका इलाज भी चल रहा था।

एक्टर रिकवर भी हो गए थे, लेकिन अचानक आए कार्डिएक अरेस्ट ने उनकी जिंदगी छीन ली। ऋतुराज सिंह का टीवी इंडस्ट्री में एक लंबा करियर रहा है। हाल ही में वो रुपाली गांगुली के हिट शो अनुपमा में नजर आए थे। इसके अलावा ऋतुराज सिंह, 'अपनी बात', 'ज्योति', 'हिटलर दीदी', 'शपथ', 'वॉरियर हाई', 'आहट', 'अदालत', 'दीया और बाती' जैसे तमाम हिट शोज में काम कर चुके हैं।

# कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

**कोरबा।** कलेक्टर अजीत वसंत ने आज जनचौपाल में आने वाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज आयोजित जनचौपाल में लोगों ने सीमांकन, राशन कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र, मुआवजा, आर्थिक सहायता, बेजा कब्जा हटाने, रोजगार हेतु ऋण दिलाने, राखड़ की समस्या, सौर सुजला के संबंध में आवेदन दिया।

जनचौपाल में कुल 89 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निर्देशित किया है कि आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनचौपाल में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि आवेदक को दोबारा जनचौपाल में ना आना पड़े। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री दिनेश कुमार नाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार में चिकित्सा अधिकारी रहती है नदारद

**कोरबा ।** कोरबा जिलान्तर्गत पाली विकासखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार में चिकित्सा अधिकारी की गैरमौजूदगी बनी रहने का आरोप स्थानीय ग्रामीणों ने लगाया हैं। बताया जा रहा हैं की 6 माह पूर्व हुए पदस्थापना के बाद से चिकित्सा अधिकारी सप्ताह में केवल एक दिन चिकित्सालय पहुंचती है। गर्भवती महिलाओं का इलाज नर्स व स्टाफ के भरोसे चल रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार में आयशा हुमा की चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थापना हुई है। आरोप लगाते हुए बताया जा रहा हैं की तब से सप्ताह में एक दिन शुक्रवार को तीन घंटे गर्भवती महिलाओं के चेकअप, जांच के लिए आती है। क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं व स्वास्थ संबंधी पीड़ितों का कहना हैं कि वे चिकित्सा अधिकारी को पहचानते तक नहीं है, क्योंकि कार्यस्थल में वह उपस्थित ही नहीं रहती है। लगभग 30 किलोमीटर दूर रहकर सप्ताह में एक दिन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचती है। जिस कारण गर्भवती महिलाओं व मरीजों का उपचार नहीं हो पाता। ग्रामीणों की मांग है

## पीएम किसान योजना अंतर्गत विशेष अभियान 21 फरवरी तक

**कोरबा।** प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना के अंतर्गत विशेष ग्राम स्तरीय अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत लंबित पात्र किसानों के पंजीयन तथा ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, लैंड सीडिंग पूर्ण कराने हेतु कार्य किया जा रहा है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत विशेष ग्राम स्तरीय अभियान संचालन के लिए प्राप्त निर्देशों के तहत जिले में 12 फरवरी से 21 फरवरी 2024 तक 10 दिवसीय विशेष ग्राम स्तरीय अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्राम स्तरीय नोडल अधिकारी के माध्यम से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनके ई-केवाईसी लैण्ड रिकॉर्ड सीडिंग, बैंक डिटेल का सत्यापन एवं पोर्टल में इंद्राज करने, विशेष अभियान के अंतर्गत ग्रामों में आयोजित शिविरों की जानकारी, अधिकतम ई-केवाईसी हेतु लंबित ग्रामों की पहचान कर सर्वप्रथम लक्षित करने, सभी पात्र किसानों का ई-केवाईसी 21 फरवरी तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं जिससे किसानों को आगामी किश्त की राशि प्राप्त हो सके।

## छत्तीसगढ़ मिनी फुटबॉल एसोसिएशन के हितानंद अग्रवाल बने अध्यक्ष



**कोरबा।** कोरबा अंचल के टी.पी. नगर क्षेत्र में स्थित होटल महाराजा में आयोजित छत्तीसगढ़ मिनी फुटबॉल एसोसिएशन की आम सभा व वार्षिक चुनाव में सर्व सम्मति से नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल को अध्यक्ष, महासचिव जावेद शेख और सरोज राठौर उपाध्यक्ष बनाए गए। बैठक की अध्यक्षता जिला ओलंपिक संघ के सचिव सुरेश क्रिस्टोफर ने की।

महासचिव शेख जावेद द्वारा बताया गया कि आगामी मई माह में अंडर-19 वर्ग का राष्ट्रीय मिनी फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न होगी। प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का चयन करते हुए महासचिव द्वारा कोरबा के सरोज राठौर को उपाध्यक्ष पद की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई, साथ ही अन्य कार्यकारिणी सदस्यों में अनूप राय, राजेश पाण्डेय, अविनाश बंजारे, मोहम्मद दानिश, सुरेन्द्र, फरमान दास, आशीष कैलब, मोहम्मद कलीम, शमीउल खान, सिकंदर टोप्पो, मंदिर तिवारी, श्याम बघेल, भूपेंद्र हिरवानी, विपिन यादव, राजेश मिश्रा, अनिल यादव, मसूद अहसन, जितेंद्र सिंह राजपूत आदि चुने गए।

## डीएवी पब्लिक स्कूल कुसमुंडा में खेल बोनञ्जा हुआ संपन्न, पढ़ाई के साथ खेलकूद जरूरी : संजय मिश्रा

### मुख्य महाप्रबंधक संजय मिश्रा ने डीएवी स्कूल को दी 12 कमरों का सौगात



**कोरबा ।** डीएवी पब्लिक स्कूल एसईसीएल कुसमुंडा में एलकेजी, यूकेजी, कक्षा पहली व कक्षा दूसरी के बच्चों का खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन इन्दिरा स्टेडियम आदर्श नगर कुसमुंडा में आजोजित की गई इस कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि संजय मिश्रा मुख्य महाप्रबंधक एसईसीएल कुसमुंडा, विशिष्ट अतिथि एसईसीएल कुसमुंडा के अधिकारी आलोक, रमन्ना व वीरेंद्र कुमार थे व अध्यक्षता सी.एम. पाण्डेय प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल कुसमुंडा ने की, इस लिटिल चैम्प खेल बोन्नजा में एलकेजी के बच्चों का 50 मीटर दौड़ प्रतियोगिता लड़को में प्रथम दिव्यांश श्रीवास, द्वितीय रितेश यादव, तृतीय आरव झा लड़कियों में भावन देवांगन, अनुराधा सिंह, प्रांजलि कक्षा पहली में पिरामाइड दौड़ में प्रथम आर्यन राठौर, द्वितीय विकास यादव, नैतिक, लडकियों में प्रज्ञा उपाध्याय, आरोही बघेल, काशिव तिवारी, मैथेमेटिकल दौड़ में लक्ष्य चौहान, अभिनव कुमार, केशव प्रसाद, श्रेष्ठ नाहक, वेदांशी दुबे, वंशिका महंत, 100 मीटर दौड़ में सिख एहद, प्रवस साहू, प्रियांशु सिंह, अदिति सोन, नव्या जायसवाल, श्वेता सिंह, मेडक दौड़ में अनय भारद्वाज, अनस अली, लक्ष्य चौहान, सुनिधि कंवर, लकिता दिवाकर, कक्षा दूसरी बलून दौड़ में पावस साहू, शौर्य सिंह, शेख, लड़कियों में अदिति गोभिल, नायरा हुसैन, हर्षिता शर्मा, नियती साहू, यूकेजी के बच्चों का सेड फीलिंग प्रतियोगिता में शंकर कुमार, दिव्यांशु भगत, आरव शर्मा, निधि कुमारी, परी, प्राची कुर्रे, बैलेंसिंग द बाल में अरदीप कुजुर रिद्धिमन सिंह वेदांस साहू, वेदप्रकाश साहू, उमायरह फातिमा, आरोही, आराध्या, सहित अनेकों प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं में छोटे छोटे बच्चों ने भाग लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को गोल्ड मेडल व द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को सिल्वर मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री मिश्रा ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल कूद की हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है, खेल कूद से हमारा शरीर स्वस्थ्य एवं तंदुरुस्त रहता है, खेल कूद से हम फिजिकली फीट होते हैं, बीमारी हम लोगों को नही हो सकती आज आजकल के बच्चे तो खेल कूद कम मोबाइल की दुनिया में चलते जा रहे हैं, हमे मोबाइल से दूरी बना खेलकूद में ध्यान देना चाहिए, खेलकूद से मन एकाग्र होता है, डीएवी स्कूल कुसमुंडा में क्लास रूम की कमी थी जिस कारण बच्चों को परेशानी हो रही थी उनकी समस्या को देखते हुए श्री मिश्रा ने डीएवी स्कूल में नए भवन बना 12 कमरों की स्वीकृति दे दी और कहा की यह भवन इसी सत्र में बन कर पूरा करा देने की बात कही, वही प्राचार्य श्री पाण्डेय ने मुख्य महाप्रबंधक के नए भवन की सौगात दिए जाने का आभार व्यक्त किए और कहा की नए 12 कमरे मिल जाने से सभी अभिभावकों को समस्या दूर हो जाएगी, इस अवसर पर विद्यालय परिवार के गायत्री साहू पीटी शिक्षक, आर.डी. लोगन पीटी शिक्षक, संध्या सिंह चौहान, स्वर्णा, दयानिधि झंकार, डी.के. श्रीवास्तव, भुवनेश्वरी जायसवाल, अर्पिता मिश्रा, मोनिका भौमिक, शंकर टिकेदार, सुमन समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

## सर्व यादव समाज की आयोजित बैठक में कैलेंडर का किया गया विमोचन

कोरबा । सर्व यादव समाज की ब्लॉक कटघोरा के ग्राम छिरहुट में बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्व यादव समाज जिला संगठन के पदाधिकारी के करकमलों द्वारा कैलेंडर का विमोचन किया गया। उपस्थिति ब्लाक पदाधिकारी व सदस्यों को नव वर्ष के कैलेंडर भेंट करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। ब्लॉक पदाधिकारी का नियुक्ति पत्र भी दिया गया। यादव समाज के आगंतुक सभी पदाधिकारी ने समाज विकास के विषय पर प्रकाश डाला। नशा मुक्ति अभियान पर विशेष विभिन्न पहलुओं पर निवेदन करते हुए आग्रह किया गया। सभी आगंतुक यादवजनों को साधुवाद देते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग करने की अपेक्षा जिला अध्यक्ष नत्थू लाल यादव ने की।

## लायंस क्लब बालको समाज सेवा के लिए कर रहा है सराहनीय कार्य

कोरबा। लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन शैलेष अग्रवाल सोमवार को लायंस क्लब बालको के कार्यो को देखने व प्रोत्साहित करने अधिकारिक यात्रा पर पहुंचे। क्लब के कार्यो के निरीक्षण व जानकारी लेने के बाद वे प्रेस क्लब के तिलक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पहुंचे। जहां उन्होंने अधिकारिक यात्रा का उदेश्य बताते हुए कहा कि क्लब के कार्यो की जानकारी लेकर वहां हो रहे अच्छे कार्यो को और अच्छा एवं कमी होने पर उसे कैसे दूर किया जा सकता है इस दिशा में कार्य करना होता है। सराहनीय कार्य होने से प्रोत्साहित करके क्लब को और अच्छे कार्य के प्रति प्रेरित किया जाता है।

इस दौरान उन्होंने अपने अधिकारिक यात्रा के अनुभव को बयां करते हुए लायंस क्लब बालको द्वारा किए गए समाज सेवा के कार्यो की सराहना की। उन्होंने आगे बताया कि क्लब की ओर से बालकोनगर में यात्री प्रतिक्षालय का निर्माण कराया गया है, गरीब व जरूरतमंदों के लिए लायन डेन भवन का संचालन किया जा रहा है, महिलाओं के स्वरोजगार के लिए मोतीसागर पारा में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र संचालित किया जा रहा है, आईटीआई के वाल्मिकी आश्रम में 38 वनवासी छात्रों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी देखभाल, मेडिकल, स्टेशनरी व भवन के मरम्मत की जिम्मेदारी संभाली जा रही है, वनांचल क्षेत्रों में लगातार कई वर्षो से मेडिकल कैंप लगाकर जरूरी वस्तुओं का वितरण किया जा रहा है, बुजुर्गो एवं जरूरतमंदों को लाठी, पावर चश्मा, कंबल, कपड़े, भोजन प्रसादम का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा समाज सेवा के लिए हर क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर जो जरूरत रहती है उसे भी पूरा किया जाता है। लायंस क्लब बालको के अध्यक्ष लायन कैलाशनाथ गुप्ता ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि क्लब द्वारा लगातार बेहतर से बेहतर कार्य करने का प्रयास किया जाता है। लायंस क्लब इंटनेशनल से जो भी दिशानिर्देश प्राप्त होते है उसका पालन करते हुए समाज सेवा का कार्य करता है। स्थानीय जरूरत को भी ध्यान में रखकर कार्य किया जाता है। प्रेस वार्ता के दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन शैलेश अग्रवाल के साथ द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन विजय अग्रवाल, रीजन चेयरपर्सन लायन पवन शर्मा, लायंस क्लब बालको के अध्यक्ष लायन कैलाश नाथ गुप्ता, सचिव किशोर कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रितेश केडिया व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन शैलेश अग्रवाल ने बताया कि लायंस क्लब का गठन 106 साल पहले 1917 को शिकांगो में हुआ था। क्लब का मुख्य उदेश्य समाज सेवा व आमजन को जागरूक करना है। लायंस क्लब बालको पर उन्होंने प्रकाश डालते हुए बताया कि लगभग 40 साल पहले 1985 में बालको क्लब की स्थापना हुई। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब देश की अग्रणी समाजसेवी संस्था है। 200 देशों में 50 हजार क्लब और 14 लाख से अधिक सदस्य हैं। कोरबा में लायंस के 8 क्लब है। प्रेस वार्ता में लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि लायंस क्लब द्वारा अगले 10 साल में पूरी दुनिया के सामने जो चुनौती आ सकती है उसका सर्वे कर 5 निर्धारित बिंदु तय करती है। जिन बिंदुओं के आधार पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन व भागीदारी लायंस क्लबों द्वारा की जाती है। यह सर्वे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से होती है। इस बार के पांच बिंदू में पर्यावरण संरक्षण, हंगर रिलिफ, चाइल्डहुड कैंसर, विजन चेकअप व डायबिटिज को शामिल किया गया है। इस बिंदू के आधार पर विजन बनाकर कार्य किया जाएगा।




## जेम से खरीद में एसईसीएल सभी कोल कंपनियों में सबसे आगे

**कोरबा।** एसईसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक भारत सरकार के जेम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल से 12,284 करोड़ से अधिक की खरीद कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है और ऐसा करने वाली यह देश की पहली कोयला कंपनी है। कंपनी द्वारा की गई यह खरीद कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में सर्वाधिक है। अप्रैल 2024 से अब तक कंपनी ने 1000 करोड़ से अधिक के उत्पाद एवं 11,284 करोड़ से अधिक की सेवाओं का क्रय किया है।

कंपनी के इस वित्तीय वर्ष के जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय का लक्ष्य लगभग 3310 करोड़ था लेकिन कंपनी ने इससे कहीं आगे बढ़ते हुए लक्ष्य के मुक़ाबले 317त्न अधिक खरीद की है। कोयला मंत्रालय द्वारा इस वित्तीय वर्ष में अब तक 63,000 करोड़ से अधिक की खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से की गई है और इसमें लगभग 1/5वां हिस्से का योगदान एसईसीएल ने दिया है।

जेम पोर्टल के माध्यम से एसईसीएल द्वारा कोयला उद्योग से जुड़े उत्पादों एवं सेवाओं का क्रय किया गया है जिसमें नट-बोल्ट से लेकर खदानों में प्रयुक्त होने वाली बड़ी एचईएमएम (हेवी अर्थ मूविंग मशीनरी) मशीनें जैसे 240 टन डंपर, 42 क्यूबिक मीटर शॉवेल, डोजर, ग्रेडर आदि शामिल हैं।

इसके साथ ही कंपनी, वे ब्रिज, इलेक्ट्रोनिक्स एवं दूरसंचार, आईटी, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल, एवं दैनिक उपयोग से जुड़े विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से कर रही है। कंपनी द्वारा प्रयोग में ली जाने वाली उन सभी चीजों का शत-प्रतिशत क्रय जेम पोर्टल से किया जा रहा है जो जेम पोर्टल पर उपलब्ध हैं। किसी उत्पाद की उपलब्धता जेम पोर्टल पर न होने की स्थिति में कंपनी जेम पोर्टल के प्रावधानों के अनुसार कस्टम बिडिंग के माध्यम से उनका क्रय कर रही है। जेम पोर्टल सरकारी खरीद-फरोख्त के लिए बनाया गया एक ऑनलाइन पोर्टल है। 2016 में शुरू किए गए इस पोर्टल का लक्ष्य सरकार एवं उसके उपक्रमों द्वारा की जाने वाली ख़रीदारी को कुशल, पारदर्शी और समावेशी बनाना है। कंपनी द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड 923 करोड़ रुपए की वस्तुओं की खरीद जेम से माध्यम से की गई थी और इस वर्ष भी कंपनी एक बड़े लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

## इमलीछापर रेलवे फाटक 21 फरवरी को रहेगा बंद

**कोरबा ।** कोरबा-पश्चिम क्षेत्र के कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत इमलीछापर रेलवे समपार फाटक पर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाना है। यह कार्य 21 फरवरी की सुबह 8 से शाम 8 बजे तक चलेगा। इस कार्य के चलते फाटक वाहनों की आवाजाही पूर्ण रूप से बंद रहेगी। इस स्थिति में परिवर्तित मार्ग लक्ष्मण नाता शांतिनगर अंडरब्रिज से यातायात मार्ग जारी रहेगा। कार्य के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे इसके लिए सेक्शन इंजीनियर रेत पथ ने कलेक्टर से कर्मचारी उपलब्ध कराने मांग की है।

## बिजली संयंत्र चोरो के निशाने पर

**कोरबा।** कोरबा जिले में संचालित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र (डीएसपीएम) में मुख्य अभियंता भवन में संचालित कंप्यूटर सेक्शन सहित तीन स्थानों में अज्ञात चोर ताला तोड़ कर घुस गए और सामानों की चोरी कर ली। इस घटना से संयंत्र की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। मामले की सूचना सीएसईबी पुलिस को दी गई है। विद्युत कंपनी के कोरबा पूर्व में संचालित डीएसपीएम संयंत्र में शनिवार व रविवार की रात हुई। दरअसल शनिवार व रविवार को अवकाश था। हालांकि शनिवार को कुछ अधिकारी कार्यस्थल आते हैं और आवश्यक कामकाज निपटा कर दोपहर को वापस लौट जाते हैं। इसके बाद सीधे सोमवार को ही संयंत्र पहुंचते हैं। चोरों ने इसका फायदा उठाया। बताया जा रहा है कि मुख्य अभियंता भवन के नीचे हिस्से में कंप्यूटर सेक्शन संचालित है। यहां ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने आलमारी खोली और उसमें रखे सामान को निकाला। साथ ही फाईलों को अस्त व्यस्त कर दिया। कक्ष में रखे दैनिक जरूरत के लिए यहां पर रखे गए इंडक्शन और कुछ सामानों को चोरी कर ली। इसके बगल में स्थित इंफारमेशन सेंटर में चोरी का प्रयास किया गया। साथ ही बाहर में लगे नल व अन्य सामान निकाल कर ले गए। इसके बाद चोर पीएंडडब्ल्यू शाखा, लेखा शाखा, सीएचपी व फ्यूल मेनेंजमेंट कार्यालय पहुंचे। यहां भी ताला तोड़ कर अंदर घुसे और लेखा विभाग की फाइलों को नीचे बिखराते हुए सामानों की चोरी कर ली। बेखौफ होकर चोर घटना को अंजाम देने के बाद चले गए। सोमवार को कार्यालय खुलने पर जब अधिकारी व कर्मचारी पहुंचे, तब उन्हें चोरी की जानकारी हुई। इसके साथ ही विभाग में हडकंप मच गया। मुख्य अभियंता डा. हेमंत सचदेवा भी स्थल पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली।मुख्य अभियंता डा. सचदेवा ने बताया कि अज्ञात चोर ने तीन स्थान से चोरी की है। नल की टोटी सहित छोटे मोटे सामान ले गए हैं। चोर कहां से घुसे इसकी जांच की जा रही है, क्योंकि मुख्य प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी लगा है और वहां से अंदर आना संभव नहीं है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है और चोरी गए सामानों की सूची तैयार की जा रही है। किसी भी फाइल को नुकसान नहीं पहुंचा गया है। संयंत्र में इस तरह हुई चोरी से सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई। संयंत्र में मुख्य द्वार से लेकर विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। वहीं संयंत्र के चारों तरफ काफी बड़ी बाऊंड्रीवाल बनी हुई है। ऐसी स्थिति में चोर संयंत्र के अंदर कैसे पहुंचे, यह जांच का विषय है।

जानकारी के अनुसार लेखा विभाग के समीप सीसीटीवी लगा है। इसमें पांच चोरों के फोटो नजर आ रही है, पर अधिकारिक तौर पर कोई भी कुछ बोलने तैयार नही है। विभागीय स्तर पर मामले की फिलहाल जांच की जा रही है। इसके बाद ही वास्तविकता सामने आएगी। खास बात यह है कि मुख्य द्वार के पास 24 घंटे सुरक्षा कर्मी तैनात रहते हैं, इसके बावजूद 50 मीटर पर खड़ी दो स्कूल बस की बैटरी को चोरी कर ले गए।हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम (एचटीपीपी) की 500 मेगावाट विस्तार परियोजना के स्टोर में भी चोरी होने की चर्चा कर्मियों के मध्य सरगर्म है। स्टोर से क्या क्या चोरी गया है, इस बारे में फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है, पर चोरी को लेकर कर्मियों ने सुरक्षा पर सवाल उठाया है। विद्युत कंपनी के दोनों संयंत्र में चोरी होने का मामला काफी गंभीर हो गया है। एचटीपीपी मुख्य अभियंता संजय शर्मा ने बताया कि बाहर प्रवास होने की वजह से ऐसी का जानकारी मिल सकी है, अधिकारियों से चर्चा करने के बाद कुछ कहा जा सकता है।

## भूविस्थापितों ने 5 घण्टे तक एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर के मुख्य द्वार




**कोरबा।** एसईसीएल के कुसमुंडा, गेवरा,दीपका क्षेत्र के प्रभावित गांव के भू विस्थापितों ने छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में लंबित रोजगार की प्रकरणों का निराकरण कर सभी खातेदारों को रोजगार देने की मांग को लेकर एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर के मुख्य द्वार को बंद कर घेराव प्रदर्शन करते हुए सभी खातेदारों को रोजगार देने की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे 5 घंटे प्रदर्शन के बाद एसईसीएल मुख्यालय के अंदर से अधिकारी बाहर आकर एक प्रतिनिधि मंडल को मांगो के संबंध में चर्चा के लिए बुलाया। घेराव को रोकने के लिए दो चरण में बेरिकेटिंग की गई थी पहले बेरिकेटिंग को तोड़कर मुख्य द्वार तक पहुंचने में भू विस्थापित सफल हो गए इस बीच सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों के साथ धक्का मुक्की और काफी नोकझोंक भी हुई।

उल्लेखनीय है कि 840 दिन से कुसमुंडा मुख्यालय के सामने भू विस्थापित रोजगार एकता संघ के बेनर तले छत्तीसगढ़ किसान सभा के सहयोग से जमीन के बदले रोजगार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं इस बीच कई बार खदान बंद भी किया गया। विस्थापित इस बार रोजगार मिलने तक संघर्ष जारी रखने की बात पर अड़े हुए हैं। मांगो पर सकात्मक पहल नहीं होने पर 29 फरवरी को सभी क्षेत्रों में प्रदर्शन और खदान बंद किया जाएगा। किसान सभा के जिला सचिव प्रशांत झा ने बैठक में एसईसीएल के अधिकारियों से कहा की सभी भू विस्थापित किसानों जिनकी जमीन एसईसीएल ने अधिग्रहण किया है उन सभी खाते पर भू विस्थापितों को स्थाई रोजगार एसईसीएल को देना होगा। विकास परियोजना के नाम पर गरीबों को सपने दिखा कर करोड़ों लोगों को विस्थापित किया गया है अपने पुनर्वास और रोजगार के लिये भू विस्थापित परिवार आज भी भटक रहे हैं। भू विस्थापित रोजगार एकता संघ के दामोदर श्याम,रेशम यादव,रघु यादव, सुमेंद्र सिंह और दीपका क्षेत्र के पवन यादव ने कहा कि 1978 से लेकर 2004 के मध्य कोयला खनन के लिए जमीन को अधिग्रहित किया गया है लेकिन तब से अब तक विस्थापित ग्रामीणों को न रोजगार दिया गया है न पुनर्वास ऐसे प्रभावितों की संख्या सैकड़ों में है।

लंबित रोजगार प्रकरणों में रोजगार के संबंध में एसईसीएल के मेन पावर के महाप्रबंधक ने कहा कि प्रत्येक खातेदारों को रोजगार देने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी इस संबंध में उच्च स्तरीय बैठक सीएमडी के उपस्थिति में 23 फरवरी को की जाएगी । जिस पर भूविस्थापितों ने कहा कि लंबित रोजगार प्रकरणों में वन टाईम सेटलमेंट के आधार पर रोजगार दिया जाये। बैठक में भू विस्थापितों की ओर से किसान सभा के जवाहर सिंह कंवर, प्रशांत झा,जय कौशिक रोजगार एकता संघ से दामोदर श्याम,रेशम यादव,रघु यादव,बृजमोहन,सरिता,अमृत बाई, दीपका से पवन यादव उपस्थित थे बैठक में लंबित रोजगार प्रकरणों में रोजगार देने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में भूविस्थापितों ने एसईसीएल के अधिकारियों से कहा कि 10 दिनों में सभी खातेदारों को रोजगार देने को लेकर उचित कार्यवाही नहीं होने पर 29 फरवरी को तीनों क्षेत्र के खदान को बंद किया जाएगा। मुख्यालय के सामने प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अनिल बिंझवार,रघुनंदन,नरेश,गोरेलाल, कृष्ण कुमार, नारायण,नरेंद्र,होरीलाल, सुमेंद्र सिंह,अनिरुद्ध,हरिशरण, डूमन,उमेश,विजय,बजरंग सोनी, लम्बोदर, उत्तम, जितेंद्र, गणेश, देव कुंवर, राजकुमारी, सुक्रिता,नरेश दास, मानिक दास के साथ बड़ी संख्या में भू विस्थापित उपस्थित थे।

# क्वालिटी को हासिये पर रख स्कूल में हो रहा निर्माण



**हसौद ।** ग्राम हसौद में बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए स्वामी अत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल भवन का निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें बड़े पैमाने पर गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। स्कूल भवन निर्माण कार्य में गुणवत्ताहीन सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है और कार्य भी धीमी गति से हो रहा है। भवन निर्माण को शुरू हुए एक महीने हो गए है लेकिन अब तक योजना से संबंधित बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। किस विभाग से और कितनी लागत से कार्य हो रहा है और कौन सा भवन का निर्माण हो रहा है इसकी भी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

निर्माण कार्य की मानिटरिंग के लिए न तो इंजीरियर मौके पर दिखते न ठेकेदार । मिस्त्री और मजदूरों द्वारा कार्य किया जा रहा है। भवन निर्माण में गुणवत्ताहीन ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है। वहीं कई महीने तक रखे होने से जम चुके सीमेंट का उपयोग ईंट जोड़ाई के लिए हो रहा है। ऐसे में मजबूत भवन कैसे बनेगा। इसको लेकर संशय है। इस संबंध इंजीनियर आशुतोष पटेल को जानकारी दी गई तो उन्होंने कहा की अगर गुणवत्ता हीन सामग्रियों का उपयोग भवन निर्माण में में हो रहा है तो इसकी जांच की जाएगी। खराब हुए सीमेंट के बारे में उन्होंने कहा कि नये सीमेंट आने तक कार्य बंद रहेगा मगर यहां केवल एक दिन कार्य को बंद रखा गया और दूसरे दिन फिर उसी सीमेंट का उपयोग भवन निर्माण में होने लगा । भवन निर्माण कार्य में इंजीनियर और ठेकेदार की मनमानी का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है।

इस सबंध में आपके माध्यम से जानकारी मिली है। स्कूल भवन में चल रहे निर्माण कार्यों की जांच की जाएगी और निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर ठेकेदार और इंजीनियर पर कार्रवाई की जाएगी।

नुपूर राशि पन्ना
कलेक्टर सक्ती

## महानदी की महाआरती होगी माघ पूर्णिमा को



**शिवरीनारायण।** माघी पूर्णिमा के अवसर पर महानदी के त्रिवेणी संगम तट पर चित्रोत्पला गंगा महाआरती का भक्तिमय आयोजन होगा। इसके लिए प्रारंभिक तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है। चांपा सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने महंत रामसुन्दर दास के शिवरीनारायण प्रवास के दौरान मठ मंदिर पहुंचकर उनसे सौजन्य मुलाकात की एवं आयोजन के संदर्भ में विचार विमर्श किया।माघी पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार 24 फरवरी को महानदी के त्रिवेणी संगम तट पर चित्रोत्पला गंगा की महाआरती सायंकालीन बेला में संपन्न होगा। पदाधिकारियों ने आयोजन स्थल में जाकर महानदी के बावा घाट का अवलोकन किया और मंच निर्माण एवं सजावट को लेकर कार्यक्रम स्थल का मुआयना किया।

महाआरती दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भक्तों के लिए बैठक व्यवस्था को लेकर उन्होंने आवश्यक विचार मंत्रणा की। उन्होने महंत रामसुंदरदास को आयोजन को भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित करने के संदर्भ में अपने विचारों से अवगत कराया। महंत रामसुंदरदास ने भी उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। यह आयोजन शिवरीनारायण क्षेत्र वासियों के लिए गंगा महाआरती के अनुरूप ही होगा। जो लोग गंगा महाआरती का दर्शन करने के लिए हरिद्वार, प्रयाग, बनारस जैसे तीर्थ स्थलों में नहीं पहुंच पाते उन्हें शिवरीनारायण में ही वही दर्शन लाभ आसानी से सुलभ होगा। उल्लेखनीय है कि शिवरीनारायण में महानदी के त्रिवेणी संगम तट पर विगत पच्चीस वर्षों से चित्रोत्पला गंगा महाआरती का आयोजन हो रहा है। यहां प्रत्येक दिवस सायंकालीन बेला में आरती होती है। चांपा सेवा संस्थान की उपस्थिति में यह चतुर्थ वर्ष वृहद आयोजन होगा।

इसे लेकर शिवरीनारायण सहित महानदी के दोनों तट पर स्थित दूर-दराज के गांवों से ही नहीं बल्कि बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, सहित जिला जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़- बिलाईगढ़, बलौदा बाजार- भाटापारा से भी लोग बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दर्शन लाभ प्राप्त करते हैं। चांपा सेवा संस्थान के मनोज मित्तल, पुरुषोत्तम शर्मा एवं सुनील बनकर ने महंत रामसुंदरदास से चर्चा की। इस अवसर पर मठ मुख्तियार सुखराम दास, जगदीश मंदिर के पुजारी त्यागी महाराज, निर्मल दास वैष्णव उपस्थित थे।

# एसपी शुक्ला ने कहा, अपराध रोकथाम के लिए ठोस कोशिश होगी



**जांजगीर - चांपा ।** आमजन के सहयोग से बेहतर पुलिसिंग के लिए कार्य करेंगे। पुलिस जनता की रक्षा और उनके हित के लिए है, इस भावना के साथ काम होगा। ये बातें नवपदस्थ एसपी विवेक शुक्ला ने नईदुनिया से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और उसका निराकरण समय पर हो यह भी प्रयास होगा।उन्होंने कहा कि अपराध रोकने लगातार पुलिस पेट्रोलिंग होगी। शराब जुआ के अवैध कारोबार पर रोक लगेगी। रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों डीजे आदि के उपयोग पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आमजन , पुलिस के पास अपनी समस्याएं लेकर बेझिझक जाएं। फरियादियों की फरियाद सुनना और उसका निराकरण हमारी प्राथमिकताओं में है। इसके अलावा शासन के मंशानुरूप कार्य किए जाएंगे। जनता को भी पुलिस की मदद के लिए आगे आना चाहिए। कहीं भी कोई संदिग्ध गतिविधियां संचालित है और अपराध होने की आशंका है तो इसकी सूचना पुलिस को दें ताकि पुलिस उनके विरूद्ध कार्रवाई कर सके। दोपहिया चार पहिया वाहनों में प्रेशर हार्न, माडिफाइ साइलेंसर लगाने और बेचने वालों के विरूद्ध भी कार्रवाई होगी।

ज्ञात हो कि एसपी विजय अग्रवाल के अंबिकापुर स्थानांतरण के बाद विवेक शुक्ला ने यहां पदभार संभाला है। इसके पूर्व वे रायपुर राजभवन में राज्यपाल के परिसहाय के पद पर पदस्थ थे। पूर्व में भी वे पुटपुरा स्थित 11 वीं बटालियन में कमांडेड रह चुके हैं।

## जेठा के पास 13 करोड़ की लागत से बनेगा व्यवहार न्यायलय भवन

**सक्ती ।** छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा न्यायाधीश पार्थ प्रतिम साहू की वर्चुअल उपस्थिति में सक्ती जिला मुख्यालय जेठा के पास 13 करोड़ 37 लाख 72 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले नवीन व्यवहार न्यायालय भवन का भूमि पूजन किया गया। जिसमें 6 न्यायालय कक्ष के साथ अन्य निर्माण कार्य प्रस्तावित है।मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा कि न्यायालय को बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के सहयोग से काम किया जा रहा है।

## मुख्य सड़क पर अतिक्रमण होने से दायरा सिमटा, समस्याएं बढ़ी

**जांजगीर चांपा।** शहर में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि चाहे बाजार हो या फिर सरकारी अस्पताल, बैंक हो या मैरिज गार्डन इन सभी जगहों पर सड़क के किनारे पर ही मजबूरन लोगों को अपने वाहन खड़े करना पड़ते हैं। सार्वजनिक संस्थानों के निर्माण एवं संचालन के लिए करोड़ों रुपए तो खर्च हो जाते हैं, लेकिन पार्किंग व्यवस्था को जरा भी तवज्जो नहीं देकर सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ देते हैं, इससे ट्रैफिक व्यवस्था पर भारी असर पड़ता है व पैदल चलने वालों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

शहर के प्रमुख मार्गो अब टू-लेन के बजाय फोरलेन तो बन गया है। लेकिन कोई काम नहीं है। आधी सड़क में वाहन खड़े हो रहे है। शहर का फोरलेन टू-लेन दिखने लगा है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिम्मेदार यातायात विभाग व नगरपालिका को शहर में व्यवस्था बनाने कोई सरोकार नहीं है। इसलिए बैंक व हर दुकान के सामने पार्किंग नहीं होने से लोग सड़क में वाहन खड़े रहे है। इससे सड़क संकरा हो जाने से हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। शायद जिम्मेदारों को बड़ा हादसे का इंतजार है। शहर के सबसे व्यस्ततम मार्ग सहित चौक-चौराहों में पार्किंग सड़क के नजदीक ही हो रही है। यह हाल शहर चांपा रोड विवेकानंद मार्ग, कचहरी चौक से नेताजी तक, बस स्टेंड सहित शहर के अन्य जगह भी देखे जा सकते है। सड़क किनारे दुकानों के सामने खड़े हो रहे दो पहिया, चार पहिया वाहन बेतरतीब तरीके से खड़े होकर आधे सड़क तक पहुंच जाते हैं।

# आचार्य विद्यासागर ने 23 दिन दिए थे अकलतरा नगर को



**अकलतरा ।** जैन समाज के संत शिरोमणि एवं सर्व समाज के श्रद्धेय आचार्य विद्यासागर 18 फरवरी को सुबह 2.30 बजे छत्तीसगढ़ के तीर्थ स्थल चन्द्र गिरी डोंगरगढ़ में ब्रह्मलीन हो गए। कठोर व्रत धारी एवं तपस्वी आचार्य विद्यासागर का सानिध्य नगर एवं क्षेत्र वासियों को वर्ष 2003 एवं वर्ष 2013 में प्राप्त हुआ था। जैन समाज के संरक्षक सुशील जैन ने आचार्य विद्यासागर के अकलतरा प्रवास के क्षणों एवं बिताए हुए पलों को याद करते हुए बताया कि अकलतरा में वर्ष 2003 में 12 दिन एवं वर्ष 2013 में 11 दिन का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ था।

उनका अकलतरा नगर से विशेष लगाव था । नगर के जैन मंदिर में नवनिर्माण कार्यक्रम भी उन्हीं के प्रेरणा से आयोजित किया गया था। आचार्य विद्यासागर का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को शरद पूर्णिमा के दिन कर्नाटक के सदलगा ग्राम में हुआ था।शुरू से ही धर्म की ओर झुकाव एक अध्यात्म की लगन से वैराग्य राह बलवती होने लगी।30 जून 1968 में मात्र 22 वर्ष की उम्र में आचार्य ज्ञान सागर महराज से जैनत्व की दीक्षा ली। कठिन साधना एवं समर्पण को देखकर उनके गुरु आचार्य ज्ञान सागर ने 22 नवंबर 1972 को विद्यासागर महाराज को आचार्य पद देकर विभूषित किया।

आचार्य का सारा जीवन जन कल्याण के लिए समर्पित रहा है। उनकी अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने बालिका शिक्षा और हाथकरघा को बढ़ावा दिया। शुद्ध देसी सात्विक वस्त्रों का निर्माण विभिन्न नगरों में हो रहा है जिससे रोजगार के नये रास्ते खुल रहे हैं और लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

## सरकारी स्कूलों में अभिभावकों के साथ मेगा पीटीएम 24 फरवरी को

**जांजगीर - चांपा।** कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज कलेक्टारेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड को लेकर शिविर लगाकर कार्ड बनाएं। साथ ही आधार कार्ड को अपडेट करते हुए कार्य किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने स्कूलों में दो दिन तक आयुष्मान कार्ड बनाने शिविर लगाने और स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना के जिले के सभी पंचायतों में 20 फरवरी को शिविर लगाने के निर्देश सभी जनपद पंचायत सीईओ को दिए है। वहीं सभी स्कूलों में 20 एवं 21 फरवरी को आयुष्मान कार्ड शिविर लगाया जाएगा।

कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना की जानकारी लेते हुए कहा कि शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों का का इसका लाभ मिले यह सुनिश्चित करें। महतारी वंदन योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तारीख 20 फरवरी है। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देशित किया शीघ्र फार्म भरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को मनरेगा, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग की शासन की योजनाओं से लाभ दिया जाए। जिले की सभी शासकीय स्कूल में 24 फरवरी को अभिभावकों के साथ मेगा पीटीएम चलाया जाएगा।

**कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)**
क्र.686/निर्माण/2024 दिनांक 15.02.2024
**ई-प्रोक्यूरमेंट संशोधन सूचना**
नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा ई निविदा क्र. 152681 के माध्यम से वार्ड क्र. 35, 36, 37, 14 में पोड़ीबहार में बीटी रोड निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की गई है जिसमें कार्य के नाम में पोड़ीबहार उल्लेख हो गया है जिसे कार्य का नाम वार्ड क्र. 35, 36, 37, 14 में बीटी रोड निर्माण कार्य पढ़ा एवं समझा जावे।
शेष नियम एवं शर्तें पूर्ववत रहेगी।
**कार्यपालन अभियंता**
**नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)**

# प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया, मचा बवाल



**जांजगीर - चांपा ।** ग्राम खैरताल और कटौद के बीच सड़क किनारे विराजित हनुमान की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। मूर्ति को उखाड़ कर तोड़फोड़ किया और खेत में फेंक दिया । इतना ही नहीं प्रतिमा के स्थान पर शराब की बोतलें रख दी थी। जब इस बात की जानकारी बजरंग दल के कार्यकताओं को हुई तो वे धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ और ठेस पहुंचाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर रात्रि में चक्का जाम कर दिया। कार्यकर्ताओं ने भजन कीर्तन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पुलिस और तहसीलदार मौके पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। दस दिन पहले भी प्रतिमा को खंडित किया गया था। दस दिन बाद एक बार फिर उसी तरह की घटना को अंजाम दिया गया।

जानकारी के अनुसार खैरताल और कटौद के बीच में हनुमान की प्रतिमा स्थापित की गई थी। रविवार को असामजिक तत्वों ने भगवान की प्रतिमा को तोड़फोड़ की और उसे उखाड़कर खेत में फेक दिया था। साथ ही प्रतिमा के ऊपर शराब डालकर बोतल भी तोड़ दी गई थी । इसकी जानकारी बजरंग दल के कार्यकताओं को मिलने पर वे आक्रोशित हो गए। उन्होंने धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ और ठेस पहुंचाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर खैरताल - कटौद मार्ग में चक्का जाम शुरू कर दिया।

चक्का जाम होने की जानकारी मिलनेपर नवागढ़ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मामला बिगड़ता देख डीएसपी मुख्यालय और तहसीलदार भी पहुंचे हुए थे। बजरंग दल के कार्यकताओं ने भजन कीर्तन करते हुए चार घंटे तक चक्का जाम किया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद चक्काजाम समाप्त किया। ज्ञात हो कि इससे पहले भी 8 फरवरी को मूर्ति को खंडित कर खेत में फेंक दिया गया था। जिसके बाद नवागढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। वही दूसरी बार बजरंग बली के मूर्ति को खंडित कर खेत में फेंका गया था। बार बार धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और माहौल बिगाड़ने का काम किया जा रहा है।

**दो माह पहले दल्हा पहाड़ में स्थित प्रतिमा में की गई थी तोड़फोड़**

ग्राम पोड़ीदलहा के बजरंग दल के युवाओं द्वारा 15 अगस्त को दलहा पहाड़ की चोटी में भगवान हनुमान की विधिवत पूजा अर्चना कर मूर्ति की स्थापना की गई थी। प्रत्येक मंगलवार को सदस्य वहां पूजा अर्चना एवं हनुमान चालीसा का पाठ करते आ रहे थे। 21 नवंबर को बजरंग दल के सदस्यों द्वारा मूर्ति पूजा अर्चना की गई और दूसरे दिन 22 नवंबर को पहाड़ पर मूर्ति क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर सदस्यों को मिली वे जब पहाड़ के ऊपर पहुंचे तो देखा कि प्रतिमा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त था। मूर्ति के टूकड़े जमीन पर फैले हुए थे। बजरंग दल के सदस्योंने पुलिस थाना मामले की सूचना देने के साथ कार्रवाई की मांग की थी। बजरंग दल के प्रदर्शन को देखते हुए थाना प्रभारी द्वारा बजरंग दल के युवाओं को समझाइश देते हुए घटना के संबंध में अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। मगर अब तक किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है।

**दो वर्ष पहले मिसदा और शिवरीनारायण में हुई थी घटना**

नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मिसदा और शिवरीनारायण के केरा रोड में दो अलग - अलग हनुमान मंदिरों मेंअसामाजिक तत्वों ने 10 फरवरी 2022 को तोड़ फोड़ की थी और खंडित मूर्ति को पास के ही नहर में फेंक दिया गया था । असामाजिक तत्वों ने मिसदा के मंदिर का ताला तोड़कर हनुमान की मूर्ति तोड़ दी थी। मंदिर में लगे धर्म ध्वज को भी निकाल कर फेंक दिया था। पुलिस ने खंडित मूर्ति को पास की ही नहर से बरामद किया था। इसे लेकर हिंदू संगठन से जुड़े युवाओं ने शिवरीनारायण में चक्काजाम किया था और कार्रवाई की मांग की थी। बाद में धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में पुलिस ने केसला निवासी मनीष साहू (29) और संजू पटेल (19) और कनस्दा निवासी राजेश यादव को गिरफ्तार किया था।

असामाजिक तत्वों के द्वारा कटौद के पास स्थित हनुमान जी की प्रतिमा में तोड़फोड़ की गई थी। मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

अनिल सोनी
एएसपी , जांजगीर

## नाराज पति ने पत्नी को डंडे से पीटा, मौत

**रायगढ़।** लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम पाकरगांव में 17 जनवरी को अधेड़ महिला की उसके ही पति ने डंडे से पीट पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना रक लैलूगा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के बाद स्वजनों को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी लैलूंगा निरीक्षक राजेश जांगड़े को ग्राम पाकरगांव जूनापारा में एक महिला की उसके ही पति द्वारा डंडा से पीट-पीटकर कर हत्या किए जाने की सूचना मिली । थाना प्रभारी अपने स्टाफ के साथ ग्राम पाकरगांव जूनापारा पहुंचे । जहां सरोज सिदार के घर अंदर उसकी मां दुरपति सिदार (42) मृत पड़ी थी । सरोज सिदार बताया कि 17 फरवरी के दोपहर अपने बाड़ी के प्याज के फसल में पानी सिंचाई कर रहा था । शाम करीब 5 बजे घर तरफ से झगड़ा मारपीट की आवाज आने पर आकर देखा तो इसका पिता बलराम सिदार(45) उसकी मां दुरपति सिदार को खाना नहीं बनाने की बात को लेकर झगड़ा विवाद का डंडा से पिटाई कर रहा था। जिससे उसकी मौत हो गई ।

**Name Change Notice**

This is to inform the general public that my old name is Mehlam S/O Shabbir Husain. Now I am changing my old name to Mehlam shabbir S/o Shabbir Husain residence Agrawal Lodge Manendragarh. To be known and recognized by the new name Mehlam Shabbir, father Shabbir Husain. This advertisement is being published for making a passport.

**Mehlam Shabbir**
**S/O Shabbir Husain**
Manendragarh

**Name Change Notice**

This is to inform the general public that my old name is jumana W/o Shabbir Husain. Now I am changing my old name to jumana shabbir W/o Shabbir Husain residence Agrawal Lodge Manendragarh. To be known and recognized by the new name jumana Shabbir W/o Shabbir Husain.This advertisement is being published for making a passport.

**Jumana Shabbir**
**W/o Shabbir Husain**
Manendragarh

**न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार जांजगीर जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)**
**// ईश्तहार//**
क्रमांक/ /तह./वा./जन्म-मृत्यु/2023 जांजगीर, दिनांक / /2024
**मृत्यु प्रमाण पत्र**
रा.प्र.क्र.- /ब-121/2023-24
ग्राम-भडेसर

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम भडेसर को सूचित किया जाता है कि आवेदक मालती सूर्यवंशी पिता सपूरन साकिन ग्राम- भडेसर, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.) द्वारा प.ह.नं. ..... ग्राम भडेसर में अपने/अपनी मां रामवती के मृत्यु दिनांक 8.2.2007 को होने से मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 27.02.2024 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार न करते हुए आवेदक के मृत्यु पंजीयन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 12.02.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
**कार्यपालिक दण्डाधिकारी**
**जांजगीर**

**// ईश्तहार//**
प्रति,
श्रीमान् तहसीलदार महोदय,
तहसील-सूरजपुर
जिला- सूरजपुर छ.ग.
**विषय :** मृत्यु प्रमाण प्रदाय करने के संबंध में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने बाबत्।
**संदर्भ :** आपके न्यायालय के ज्ञापन क्र. /वाचक-2/2018 सूरजपुर दिनांक / /
महोदय,
विषयांतर्गत लेख है कि आवेदिका मुनिया बाई पति नान्छुराम जाति गोंड़ निवासी तिलसिवां द्वारा अपने ससुर मानसाय पिता भोला जाति गोंड़ का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आपके न्यायालय में आवेदन किये हैं। जिसके संबंध में चाही गई बिन्दूवार जानकारी निम्नानुसार है :-
1. पंचनामा के अनुसार आवेदिका के ससुर मानसाय का मृत्यु दिनांक 15.06.1993 को ग्राम तिलसिवां में घर में हुआ है।
2. मृत्यु तिथि का प्रमाण मात्र पंचनामा है।
3. जानकारी के अभाव में पंजीयन नहीं कराया गया है।
4. अन्य अभिलेखिय साक्ष्य ...... उपलब्ध नहीं है।
5. आवेदक के रिश्तेदार .... का मृत्यु साक्ष्य के अनुसार छत्तीसगढ़ में हुआ है।
अतः अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सादर सम्प्रेषित है।
**हस्ताक्षर पटवारी**
**सूरजपुर**

# ओपीडी में नहीं दिखते कई लाख का वेतन लेने वाले डॉक्टर

**जांजगीर चांपा।** जिला अस्पताल में कहने को तो रिकार्ड में 35-35 डॉक्टर हैं, लेकिन समय पर ओपीडी में गिने चुने डॉक्टर ही नजर आते हैं। शेष डॉक्टर या तो अपने निजी क्लीनिक में सेवा देते हैं या फिर अस्पताल से नदारत रहते हैं। इसके चलते मरीजों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भटकना पड़ता है। दिलचस्प बात यह है कि अधिकतर डॉक्टर डीएमएफ फंड से मोटी सैलरी ले रहे हैं लेकिन उनकी सेवा नाम मात्र की है। इससे सरकार के पैसों की फिजूलखर्ची खुलकर सामने आ रही है। जिसका विरोध करने वाला भी कोई नहीं है। शहर की जनता आज तक न तो जिला अस्पताल में सुविधाओं का जायजा लेने गई है और न ही नेताओं का इस ओर ध्यान गया है। जो शहर के लिए एक ज्वलंत समस्या है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों की लिस्ट देखें तो आप चौंक जाएंगे। 100 बिस्तर के अस्पताल में 35 डॉक्टरों की पोस्टिंग है। यानी हम कह सकते हैं कि प्रत्येक तीन बिस्त के पीछे एक एक डॉक्टर हैं। लेकिन यह केवल आंकड़ों की बाजीगरी है। यहां तो केवल स्टॉफ नर्सेस व जीएनएम ट्रेनिंग सेंटर के स्टूडेंट के भरोसे जिला अस्पताल संचालित हैं। सुबह के समय ओपीडी में जाकर आप नजारा देखेंगे तो चौंक जाएंगे। तकरीबन एक दर्जन ओपीडी काउंटर में गिने चुने चार से पांच डॉक्टर ही मौजूद रहते हैं। जिसमें एमडी आलोक मंगलम के अलावा दो चार अन्य डॉक्टर नजर आएंगे। जबकि लिस्ट 35 डॉक्टरों की है। जिसमें कुछ ऐसे विशेषज्ञ हैं जिनकी भरमार है। जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ व अस्थि रोग विशेषज्ञ के अलावा निश्चेता विशेषज्ञ की तीन तीन पोस्ट शामिल है। लेकिन ओपीडी टाइम में किसी के दर्शन दुर्लभ होते हैं। जिला अस्पताल में डॉक्टरों के सैलरी के लिए बड़ी रकम खर्च की जा रही है। ऐसे डॉक्टरों को डेढ़ से दो लाख रुपए तक भुगतान हो रहा है। जिसमें शहर के नामचीन लोगों के रिश्तेदारों के अलावा शीर्ष स्तर के अधिकारियों के रिलेटिव भी शामिल हैं। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि क्या ऐसे डॉक्टर दो लाख रुपए की सैलरी के लायक सेवा देते हैं। बीच में स्वास्थ्य से जुड़ी से खबर बड़ी प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। जिसमें जिले के सबसे बड़े शहर चांपा के बीडीएम अस्पताल में सालों बाद सिजेरियन आपरेशन की शुरुआत हुई थी। जिला प्रशासन ने इस मामले में जमकर अपनी पीठ थपथपाई थी। जबकि दुर्भाग्य है कि इतने बड़े अस्पताल में अब तक आखिर आपरेशन क्यों नहीं हो पा रहे थे। जबकि जिला अस्पताल की लिस्ट में तीन स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हैं। तो वहीं तीन शिशु रोग विशेषज्ञ हैं। इतना ही नहीं तीन निश्चेतना रोग विशेषज्ञ भी हैं। तो आखिर क्या ऐसे डॉक्टर केवल भारी भरकम सैलरी भुनाने के लिए ही पदस्थ हैं। जिला अस्पताल के रिकार्ड में मूलतः छह डॉक्टरों को डीएमएफ से मोटी रकम का भुगतान किया जा रहा है। जिसमें डॉ. आलोम मंगलम, डॉक्टर आकाश सिंह राणा, डॉ. हरीश पटेल, डॉ. प्रियंका जोशी, डॉ. अश्वनी राठौर एवं डॉ. नितिन जुनेजा का नाम शामिल है।

## अनमोल वचन

**दुसरों से अपेक्षा रखने के बजाय उनकी तारीफ करना सीखें, आपके लिए दुनिया ही बदल जाएगी।**

# राजनीति से प्रेरित कार्रवाई

कांग्रेस के बैंक खाते पर हुई कार्रवाई का उसकी गतिविधियों पर गहरा असर पड़ेगा। क्या आय कर विभाग यही चाहता है। जिस समय विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पहले से संदिग्ध है, ऐसे सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं हैं। कांग्रेस के खाते का संचालन जिस समय और जिस तरह से रोका गया, उसे पहली नजर में राजनीति से प्रेरित कार्रवाई ही माना जाएगा। यह कार्रवाई इलेक्ट्रॉल बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के ठीक अगले दिन की गई। इस निर्णय से सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए असहज स्थितियां पैदा हुईं। इससे इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के जरिए भाजपा को असामान्य रूप से मिले अधिक चंदे और उसके स्रोत का मुद्दा चर्चा में आया। उसके ठीक अगले दिन देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पर ऐसी कार्रवाई के मकसद पर सहज ही संदेह खड़ा हुआ। सवाल उठा कि क्या इसके जरिए यह बताने की कोशिश की गई है कि विपक्ष के चंदे में भी घपला है। आय कर विभाग की इस कार्रवाई के तथ्यों पर ध्यान देना जरूरी है। यह कदम 2018-19 में कांग्रेस को मिले चंदे के सिलसिले में यानी अब पांच साल बाद उठाया गया है। तब पार्टी तय तारीख (31 दिसंबर 2019) तक इनकम टैक्स रिटर्न जमा नहीं करा पाई। उसने 45 दिन देर से इसे जमा कराया।

रिटर्न में पार्टी ने बताया कि गुजरे साल में 199 करोड़ रुपये का चंदा उसके बैंक खाते में आया, जबकि 14 लाख 40 हजार रुपये उसके पास नकदी में हैं, जो उसे पार्टी सांसदों और विधायकों से मिले हैं। आय कर विभाग ने नकदी रकम को विसंगति (डिस्क्रेपैंसी) बताया है, जबकि 45 दिन की हुई देर को लेकर 210 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया है। यह कार्रवाई लोकसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले हुई है। खाते के संचालन पर रोक को जब कांग्रेस ने अपीलीय पंचाट में चुनौती दी, तो पंचाट ने खाते के संचालन से रोक तो हटा दी, लेकिन शर्त लगा दी कि कांग्रेस को 155 करोड़ रुपये खाते में रखने होंगे। पार्टी के मुताबिक उसके पास इसके अतिरिक्त रकम नहीं है। यानी व्यावहारिक रूप में वह खाते का इस्तेमाल नहीं कर पाएगी। जाहिर है, पार्टी की गतिविधियों पर इसका व्यापक असर पड़ेगा। क्या आय कर विभाग का यही मकसद है। जिस समय विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पहले से संदिग्ध है, ऐसे सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं हैं।

## राशिफल

**मेष राशि**-आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरु करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। जो लोग सरकारी नौकरी करते हैं, उनके लिए दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यों में सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। साथ ही लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावटें आज दूर हो सकती हैं। जिनकी जॉब अभी नई-नई शुरू हुई है, उनको ऑफिस में साथियों का सहयोग मिलेगा।

**वृष राशि**-आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग मिलेगा। खासकर कि आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। साथ ही बच्चे आपसे खुश रहेंगे। आज आप किसी नए बिजनेस को शुरू करने के बारे में विचार कर सकते। आज तरक्की के किसी भी अवसर को अपने हाथ से ना जाने दें, कोई भी छोटा चांस आपको मालामाल बना सकता है।

**मिथुन राशि**-आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। एक निर्धारित टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करें, इससे आपकी सफलता के चांस बढ़ेंगे। जिन लोगों की नई-नई शादी हुई है, उनके लिए दिन उत्तम रहने वाला है। साथ में कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे।

**कर्क राशि**-आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। जो छात्र कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए तैयारी कर रहे हैं, वो जल्द ही अपनी तैयारीयां पूरी कर लेंगे। आज शिक्षकों का पूरा सहयोग आपको मिलेगा। लेकिन जो छात्र विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाना चाहते हैं, उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। आज कोई भी काम करते समय आपको बुजुर्गों का आशीर्वाद जरुर लेना चाहिए।

**सिंह राशि**-आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरुर ले लें। जिन लोगों का लोहे का बिजनेस है, उनके काम में सामान्य रूप से गति बनी रहेगी। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरुरत है। बदलते मौसम का आपको ध्यान रखना होगा।

**कन्या राशि**-आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज आप कोई ऐसी चीज हासिल करेंगे, जिसकी आपको बहुत कम उम्मीद थी। जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपके मन में नए-नए क्रिएटिव आइडिया आएंगे, जिनका आप बखूबी इस्तेमाल भी करेंगे। ऑफिस में हर कोई आपके काम से खुश रहेगा।

**तुला राशि**-आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पर तुरंत भरोसा ना करें, ये आपके लिए थोड़ा परेशानी भरा हो सकता है। बिजनेस में लेन-देन का ख्याल रखें, कोई भी बड़ी डील करने से पहले सब कुछ अच्छे से जांच परख कर लें। जो महिलाए उद्योग शुरु करना चाहती हैं, उनको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही सफलता मिलने के भी योग बने हुए हैं।

**वृश्चिक राशि**-आज आपका दिन बेहतर रहेगा। बस आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकता है। आपको उनसे अच्छा व्यवहार बनाकर रखना चाहिए। जो लोग घर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, वो लोग आज शिफ्टिंग का कार्य शुरू करवा सकते हैं। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें, आपको अच्छा लगेगा। आज आप किसी जरूरतमंद की सहायता करेंगे।

**धनु राशि**-आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। धार्मिक कार्यो में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष पूजा का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत बनेगी। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

**मकर राशि**-आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा । आपको कुछ काम करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज आपके दिनचर्या में कुछ बदलाव आ सकते हैं। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिए दिन पहले से थोड़ा बेहतर रहेगा। जो लोग अपने बिजनेस को शिफ्ट करना चाहते हैं।

**कुंभ राशि**-आज आपका दिन पहले से ज्यादा लाभ दिलाएगा। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जाएगी। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिए लाभकारी होगा। वाहन का प्रयोग करते समय आपको जरूरी कागजात अपने साथ रखने चाहिए, आपको जरुरत पड़ सकती है। जो लोग कला या संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आपको कोई बड़ा प्लैटफॉर्म या बड़े सिंगर का सहयोग मिल सकता है। आपके प्रयास सफल होंगे।

**मीन राशि**-आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आप अपने विवेक का इस्तेमाल करके सब कुछ हासिल कर सकते हैं, आज हर कोई आपकी प्रशंसा करेगा। लेकिन ध्यान रहे किसी पर भी अनावश्यक शक ना करें, इससे आपके रिश्तों पर असर पड़ सकता है। आप जीवनसाथी के साथ डिनर पर जाने का प्लॉन बना सकते हैं। साथ ही आपको जीवनसाथी से कोई गिफ्ट भी मिल सकता है।

# चुनावी चंदे की पारदर्शी व्यवस्था बने

//अजीत द्विवेदी//

**चुनावी बॉन्ड को लेकर पिछले छह-सात साल में जितनी बहस हुई है और चंदे की इस व्यवस्था पर जितने सवाल उठे हैं उन्हें देखते हुए अब केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खुले दिल से स्वीकार कर लेना चाहिए। इसे प्रतिष्ठा का सवाल बना कर संसद के जरिए इसे बदलने का वैसा प्रयास नहीं किया जाना चाहिए, जैसा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदे की पूरी व्यवस्था को असंवैधानिक करार दिया है और इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।**

इतना ही नहीं सरकार ने सभी पार्टियों से कहा है कि अगर किसी के पास कोई चुनावी बॉन्ड बचा है तो वह उसे तत्काल वापस लौटाए और स्टेट बैंक उसे बॉन्ड खरीदने वाले व्यक्ति के खाते में लौटा दे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि यह कानून सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है और साथ ही संविधान के अनुच्छेद 19 (1) से मिले मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन करता है। अदालत ने अप्रैल 2019 के बाद चुनावी बॉन्ड से दिए गए चंदे की सारी जानकारी 13 मार्च तक सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने एक राय से इस मामले में फैसला सुनाया है।

चुनाव आयोग का फैसला बहुत स्पष्ट है। इसमें उन तमाम बातों का जिक्र है, जिसकी आशंका पिछले छह-सात साल से जताई जा रही थी। ऐसा नहीं है कि सिर्फ विरोधी पार्टियों के लोग या केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के चिरंतन विरोधी ही इस पर सवाल उठा रहे थे। भारत की दो स्वायत्त संस्थाओं ने भी इस पर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग ने कहा था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29 (बी) का उल्लंघन करके चंदा लिया है या नहीं। साथ ही विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा।

इसी तरह भारतीय रिजर्व बैंक ने इस योजना को लेकर कहा था कि चुनावी बॉन्ड धन शोधन को बढ़ावा देगा। इसके जरिए काले धन को सफेद करना आसान हो जाएगा। ये दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जो बार बार उठाए जा रहे थे। साफ साफ दिख रहा था कि इस योजना में पारदर्शिता बिल्कुल नहीं है। चुनावी बॉन्ड खरीदने वाला कहां से पैसे ला रहा है यह पता लगाने का कोई जरिया नहीं था। इसलिए आयकर कानून के नियमों को लागू करने या धन शोधन के नियमों को लागू करने की संभावना समाप्त हो जाती थी। चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक ने इस पहलू की ओर ध्यान आकर्षित किया था।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ साथ कुछ ज्यादा बड़े सवाल भी उठाए हैं। सबसे बड़ा सवाल लोकतंत्र का है, जिसमें जनता को यह जानने का अधिकार है कि जिस राजनीतिक दल को वह समर्थन दे रहा है या वोट दे रहा है उसे कहां से चंदा मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान ही कहा था कि इस तरह की गोपनीय योजना के जरिए पार्टियों को असीमित फंडिंग का रास्ता खुलता है। असल में इस योजना को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या इस तरह की चंदे की व्यवस्था से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की संभावना प्रभावित होती है?

इसका जवाब सुप्रीम कोर्ट के फैसले में मिला है। अदालत ने कहा है कि इससे कॉरपोरेट फंडिंग और पॉलिसी मेकिंग यानी पार्टियों को मिलने वाले चंदे और नीति निर्माण में मिलीभगत हो सकती है। जब किसी को पता नहीं होगा कि किस कॉरपोरेट ने या किस व्यक्ति ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है तो यह भी पता नहीं चलेगा कि किसी सरकार की किस योजना से किस कॉरपोरेट को क्या लाभ हुआ है। इससे लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था प्रभावित होती है और मतदाता के अधिकार भी प्रभावित होते हैं। साथ ही सरकार के कामकाज में भ्रष्टाचार व भेदभाव बढ़ने की संभावना भी पैदा होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नसीहत देने के अंदाज में कहा है कि चुनावी चंदे में काले धन के चलन को रोकने के लिए एकमात्र रास्ता यही नहीं है। इसके अलावा दूसरे रास्ते भी तलाशे जा सकते हैं, जो ज्यादा पारदर्शी हों और मौलिक अधिकार व सूचना के अधिकार का उल्लंघन नहीं करते हों। सोचें, 2017 में जब तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस योजना की घोषणा की थी और इसे लागू करने का फैसला हुआ था तब इसके विरोध पर वे बार बार कहते थे कि और कुछ हो या न हो यह तय है कि चंदे में दिया जाने वाला पैसा काला धन नहीं है। जबकि हकीकत में सबसे ज्यादा इसी पर सवाल उठा है। चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक के साथ साथ सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर सवाल उठाया है। इसलिए सरकार को इस मामले में किसी तरह की जिद पकड़ने की बजाय ज्यादा पारदर्शी व्यवस्था बनाने के बारे में विचार करना चाहिए।

ध्यान रहे भारत में राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की व्यवस्था कभी भी परफेक्ट नहीं रही है। पार्टियों को 20 हजार रुपए से कम का चंदा बिना चेक के लेने का अधिकार है। अनेक पार्टियां ऐसी हैं, जिनको समूचा चंदा इसी तरीके से मिलता है। भारत की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी बसपा है, जो पिछले करीब डेढ़ दशक से चुनाव आयोग को बता रही है कि उसे 20 हजार रुपए से ऊपर का एक भी चंदा नहीं मिला है।

सोचें, उसे सैकड़ों करोड़ रुपए का चंदा मिल चुका है लेकिन किसी ने चेक से चंदा नहीं दिया। वह सत्ता में रही तब भी उसने यही बताया कि उसे मिलने वाले सारे चंदे 20 हजार रुपए से नीचे के हैं। इस तरह के चंदे के बारे में कुछ भी जानकारी देने की जरुरत नहीं होती है और जितना भी चंदा मिलता है वह आयकर से मुक्त होता है।

राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए पहले ट्रस्ट के जरिए चंदा देने की व्यवस्था भी बनी थी और बाद में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा देने का कानून ले आई। इस कानून में बुनियादी खामियां थीं, जिन्हें विस्तार से सुप्रीम कोर्ट ने बताया है। इस कानून के मुताबिक कोई भी व्यक्ति या कंपनी स्टेट बैंक की चुनिंदा शाखाओं से चुनावी बॉन्ड खरीद सकता था। वह जिस पार्टी को चुनावी बॉन्ड देगा उसे 15 दिन के भीतर उस बॉन्ड को कैश कराना होगा। इस कानून के मुताबिक चुनावी बॉन्ड खरीदने वाले की पहचान नहीं जाहिर की जाती है और न उसके बारे में सूचना के कानून के तहत कोई जानकारी साझा की जाती है।

हालांकि उसकी सारी जानकारी सरकार के पास होती है। तभी यह योजना सरकार के हाथों का एक टूल बन गई थी। लोग सरकार को खुश करने के लिए उसे ज्यादा चंदा दे रहे थे और विपक्षी पार्टियों के चंदे का स्रोत सूखता जा रहा था। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बराबरी के मैदान की धारणा खत्म हो गई थी। इससे काले धन का इस्तेमाल बढ़ने की संभावना भी बढ़ गई थी और यह आरोप भी लग रहा था कि इसे कॉरपोरेट को ध्यान में रख कर लाया गया है। इस योजना में यह सुविधा थी कि कोई कॉरपोरेट घराना बिना पहचान बताए जितना चाहता उतना चंदा किसी को दे सकता था। इसके बदले में उसे कुछ न कुछ लाभ भी मिलता, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मिलीभगत कहा है। जब इन सारे पहलुओं से परदा उठ गया है तो चुनावी चंदे की एक ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए, जिससे काले धन की संभावना खत्म हो, जिसके बारे में सारी जानकारी आम लोगों को भी मिले और पक्ष व विपक्ष के बीच आंशिक रूप से ही सही लेकिन बराबरी का मैदान सुनिश्चित हो।

# रोजगार मेले का झुनझुना

//हरिशंकर व्यास//

**अगर युवाओं की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की शुरुआत कौशल विकास के साथ हुई थी। इसके लिए अलग मंत्रालय बनाया गया था। इसके अलावा हर साल दो करोड़ नौकरी देने का वादा भी था। लेकिन 10 साल के कार्यकाल के आखिरी वर्षों में जाकर रोजगार मेले की शुरुआत हुई। वर्ष 2022 के आखिर में सरकार ने ऐलान किया कि अगले एक साल में 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी। सोचें, जब कोई सरकार चुनावी साल में रोजगार मेला लगा कर प्रधानमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र बांटने का ऐलान करे और पूरे साल में 10 लाख लोगों को नियुक्ति पत्र दे तो अंदाजा लगाए कि बाकी समय क्या स्थिति रही होगी? लोक लुभावन कामों में सरकारें अपने बेस्ट प्रदर्शन चुनावी साल में करती है। सो, लोकसभा चुनाव से पहले 16 महीनों में अगर सरकार ने 10 लाख युवाओं को नौकरी दी है तो उससे पहले के 44 महीनों में कितनों को नौकरी मिली होगी।**

नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री जब दूसरी बार सत्ता में लौटे थे और शपथ ली थी तो उसके अगले ही दिन यानी 31 मई 2019 को उनके श्रम मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय यानी एनएसएसओ का बेरोजगारी का आंकड़ा जारी हुआ था। उसमें बताया गया था कि वित्त वर्ष 2017-18 में बेरोजगारी दर 6.1 फीसदी रही थी, जो 45 साल में सबसे ज्यादा थी। 1971 के बाद पहली बार बेरोजगारी दर इतनी ज्यादा हुई थी। वित्त वर्ष 2011-12 में भारत में बेरोजगारी दर 2.2 फीसदी थी। यह सर्वेक्षण नोटबंदी के फैसले के तुरंत बाद कराया गया था। जाहिर है कि नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था को जैसे प्रभावित किया और जितना नुकसान हुआ उसका असर रोजगार की स्थिति पर भी पड़ा था। लेकिन यह पहली और आखिरी बार था जब बेरोजगारी की दर को लेकर इतना हल्ला मचा था। उसके बाद चारों तरफ सन्नाटा छाया हुआ है। जबकि अभी कुछ दिन पहले बेरोजगारी दर आठ फीसदी से ऊपर थी और अब भी 6.8 फीसदी है।

देखने में लगेगा कि यह बड़ा आंकड़ा नहीं है लेकिन इसमें 16 साल से ऊपर से हर उम्र के व्यक्ति के हर किस्म के काम को शामिल किया गया है। इसमें ज्यादातर लोग असंगठित क्षेत्र में बहुत मामूली वेतन की नौकरी कर रहे हैं या छोटे छोटे स्वरोजगार कर रहे हैं। ब्लूमबर्ग के आंकड़े के मुताबिक करीब 58 फीसदी आबादी ऐसी है, जो अवैतनिक घरेलू काम या छोटा व्यवसाय चलाने सहित स्व रोजगार से जुड़ी हैं। सोचें, एक तरफ युवा शक्ति का डंका है, युवाओं के आत्मनिर्भर होने की बातें हैं, दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश में सबसे बड़ी कामकाजी आबादी होने का दावा है और दूसरी ओर रोजगार के ऐसे आंकड़े हैं! भारत पहले भी अपनी जनसांख्यिकी का बेहतर इस्तेमाल नहीं कर पा रही था लेकिन अब तो युवाओं के सामने संगठित क्षेत्र की नौकरी या अच्छे कारोबार की स्थिति सपने जैसी हो रही है। सरकार ने 2016 के अंत में नोटबंदी का फैसलाकिया था और उसके अगले ही साल यानी 2017 की जुलाई में वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी को लागू किया गया। इन दोनों वित्तीय फैसलों की वजह से देश में कारोबारी स्थिति बहुत खराब हुई। पूरी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई। खुद सरकार ने माना कि लाखों की संख्या में छोटे उद्यमियों के कारोबार बंद हो गए। एमएसएमई यानी लघु, सूक्ष्म व मझोले उद्योगों पर ताला लग गया। सरकार ने यह भी बताया कि लाखों की संख्या में फर्जी कंपनियों को बंद कराया गया है। हालांकि बाद में जब पूछा गया कि फर्जी कंपनी की क्या परिभाषा है तो सरकार ने कहा कि ऐसी कोई परिभाषा नहीं है। यानी फर्जी कंपनी नाम से कोई श्रेणी ही नहीं है। इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता लाने और उसे काले से सफेद करने की कथित योजना के तहत सरकार ने लाखों लोगों के कामकाज बंद करा दिए। इसका बड़ा असर रोजगार की संभावना पर पड़ा। जब सरकार को लगा कि वह साल में दो करोड़ क्या उसके 10 फीसदी के बराबर भी नौकरी नहीं दे सकती है तो उसने कहना शुरू किया कि युवाओं को नौकरी देने वाला बनना चाहिए। फिर यह जुमला चल पड़ा कि भारत में युवा नौकरी देने वाले बन रहे हैं। सोचें, करोड़ों लोग नौकरी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए जरूरी साधन नहीं जुटा पा रहे हैं और सरकार व सत्तारूढ़ दल ने प्रचार कर दिया कि भारत में युवा नौकरी देने वाले बन रहे हैं। स्थिति यह है कि युवा नौकरी की तलाश में भटक रहा है। सातवीं पास और साइकिल चलाने की योग्यता वाली नौकरी में इंजीनियरिंग की डिग्री वाले युवा फॉर्म भर रहे हैं। दिल्ली में चिड़ियाघर में सहायक यानी जू-कीपर की नौकरी निकली तो बड़ी संख्या बीए, एमएम, बीटेक और एमबीए कर चुके युवाओं मे आवेदन किया और ज्यादातर नौकरी उनको मिली। सोचें, न्यूनतम वेतन वाली नौकरी के लिए उच्चतम डिग्री वाले युवा आवेदन कर रहे हैं और सरकार कह रही है कि वह युवाओं को नौकरी देने वाला बना रही है? एक पद के लिए एक-एक हजार आवेदन हो रहे हैं और संस्थाएं फॉर्म बेच कर पैसे कमा रही हैं।

## उच्च सदन में भाजपा के चेहरे

भारतीय जनता पार्टी संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा का चेहरा बदल रही है। पार्टी ने राज्यसभा के लिए जैसे नेताओं का चुनाव किया है वह पार्टी के लोगों को भी हैरान करने वाला है। इस बार भाजपा के 28 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं लेकिन भाजपा ने सिर्फ चार सदस्यों को वापस उच्च सदन में भेजने का फैसला किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव व एल मुरुगन और पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, इन चार के अलावा बाकी 24 को टिकट नहीं मिली है। कहा जा रहा है कि उनमें से कुछ लोगों को लोकसभा का चुनाव लड़ाया जाएगा। एक दर्जन ऐसे नाम हैं, जिनको लोकसभा की टिकट मिल सकती है लेकिन बाकी का क्या। क्या बाकी एक दर्जन लोगों का करियर समाप्त हो गया। यह कुछ समय बाद पता चलेगा। आमतौर पर राज्यसभा में पार्टियों के बड़े और पुराने नेताओं को भेजा जाता है। बेहतर बौद्धिक क्षमता वाले नेताओं को उच्च सदन के लिए तरजीह दी जाती है। माना जाता है कि लोकसभा की कार्यवाही पर चेक एंड बैलेंस के लिए एक उच्च सदन जरूरी है। तभी उच्च सदन के लिए उम्र सीमा पांच साल ज्यादा रखी गई है। लोकसभा चुनाव लड़ने की उम्र 25 साल है लेकिन राज्यसभा में 30 साल से कम उम्र का व्यक्ति सदस्य नहीं हो सकता है। उच्च सदन समाज और राजनीति की विविधता का भी प्रतिनिधित्व करने वाला सदन है। तभी वहां सिर्फ राजनीति से जुड़े लोग ही नहीं होते हैं, बल्कि जीवन के अलग अलग क्षेत्र में अच्छा काम करने और नाम बनाने वाले लोगों को उस सदन में भेजा जाता है। इसके उलट लोकसभा में जमीनी राजनीति करने वाले लोग बैठते हैं। ऐसा लग रहा है कि भाजपा का मौजूदा नेतृत्व राज्यसभा के खास चरित्र को बदलने के लिए पूरी मेहनत कर रही है। भाजपा ने पहले भी राज्यसभा में ऐसे नेताओं को भेजा, जो राजनीति में ज्यादा जाने-पहचाने नहीं थे। किसी क्षेत्र विशेष से बाहर उनकी पहचान नहीं थी। राजनीति से अलग किसी खास क्षेत्र में भी कोई बड़ा काम करने का रिकॉर्ड नहीं था। इसका नतीजा यह हुआ है कि उच्च सदन, जो एक समय अच्छी चर्चाओं के लिए जाना जाता था वहां चर्चा की गुणवत्ता कम होती गई। पिछले दो तीन चुनावों से जिन लोगों को भाजपा ने उच्च सदन में भेजा उनमें से बहुत कम नेता चर्चाओं में हिस्सा लेते हैं और अगर हिस्सा लेते भी हैं तो उनका कोई सार्थक योगदान नहीं होता है। आमतौर पर पुराने और अनुभवी नेता ही चर्चा में हिस्सा लेते हैं। इस बार भाजपा ने ऐसे पुराने और अनुभवी नेताओं की संख्या और कम कर दी। इसमें संदेह नहीं है कि भाजपा ने अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को चुना है या मजबूत सामाजिक समीकरण को साधने का प्रयास किया है। लेकिन राज्यसभा इसका मंच नहीं है। इसे मास्टरस्ट्रोक बताया जा रहा है कि एक बार पार्षद रहे व्यक्ति को राज्यसभा भेजा गया या एक बार चुनाव लड़ने से इनकार करने वाले को भेजा गया या किसी खास इलाके में किसी खास जाति का प्रतिनिधित्व करने वाले को राज्यसभा की टिकट दी गई।

## तस्वीरों की दुनिया

संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आचार्य प्रमोद कृष्णम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभल में श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के दौरान अनुष्ठान किया। साथ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दिखाई दे रहे हैं।

जयपुर में कांग्रेस विधायक महेंद्र जीत मालवीय के भाजपा में शामिल होने पर राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी और अन्य नेताओं ने पार्टी कार्यालय में उनका स्वागत किया।

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चौथे शिलान्यास समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चौथे ग्राउंडब्रेकिंग समारोह के दौरान 14000 परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में ग्राउंडब्रेकिंग समारोह में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

# नीतीश के सारे आरोप झूठे और मनगढंत, अभिनेता की आईएएस पत्नी स्मिता भारद्वाज ने दिए जवाब

**मुंबई, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

अभिनेता नीतीश भारद्वाज द्वारा लगाए गए आरोपों पर अब उनकी पत्नी स्मिता भारद्वाज ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सभी आरोपों को झूठा और मनगढ़त बताया है। धारावाहिक महाभारत में कृष्ण का किरदार निभाने वाले नीतीश ने हाल ही में अपनी आईएएस पत्नी पर अपनी जुड़वा बेटियों देवयानी एवं शिवरंजनी से न मिलने देने और उनके अपहरण का आरोप लगाया था। विशेष बातचीत में स्मिता ने कहा कि पहले भी वह मीडिया में बयान दे चुके हैं। मेरी चुप्पी का अर्थ यह नहीं है कि मैं कमजोर हूं या गलत हूं। कोई भी मां अपने बच्चों का अपहरण नहीं कर सकती है। यह हमारे उत्पीड़न और बदनामी के लिए किया गया है। मैं उन्हें कोर्ट के माध्यम से सारी सूचनाएं देती हूं।जैसे इंदौर से ट्रांसफर होकर मैं भोपाल शिफ्ट हुई। इसकी सूचना मैंने कोर्ट में दी थी। इस बार भी हमने कोर्ट में बताया कि बच्चे ऊटी में नहीं रहना चाहते हैं। वह अपनी मां के पास भोपाल वापस आ गए हैं। यह तो उनके (नीतीश) वकील को उन्हें बताना चाहिए था।आगे वह बताती हैं छह फरवरी को फैमिली कोर्ट में तारीख थी। उसमें मैं और नीतीश दोनों अनुपस्थित थे। उसमें मेरे वकील ने सूचित किया था कि बेटियां मेरे साथ भोपाल में हैं। उनके पास घर का लैंडलाइन नंबर है, जिस



पर वह लगभग दो सालों से फोन कर रहे हैं।उस पर उन्होंने कोई संपर्क नहीं किया। उनका कहना है कि मैंने उनका मोबाइन फोन ब्लाक करके रखा है। यह बात सही है। हम एसएमएस के माध्यम से एक-दूसरे से बात करते हैं। उन्होंने सुनियोजित तरीके से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समय लिया। उनसे मुलाकात की फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मुझे गत 13 फरवरी को यह जानकारी पुलिस कमिश्नर से मिली। उन्होंने कहा कि हम बच्चों से मिलवा देते हैं। उनके पास मिलने के अधिकार है, लेकिन पूर्व सूचना दी जाती है। मैंने कहा कि बच्चों को घर पर मिलवाएंगे, तो कहा कि मैं आपके घर में कदम नहीं रखूंगा।पुलिस कमिश्नर ने पूछा कि कहां मीटिंग होगी, तो बोले कि मैं गेट के बाहर रहूंगा। बच्चे गेट के अंदर। इस पर भी सहमति बनी। फिर उन्होंने कहा कि मेरे साथ पुलिस आएगी। बच्चों के साथ मिलने का यह कैसा तरीका हुआ। मेरी बेटियां बहुत असहज थीं। वह जानबूझ विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रहे हैं।अगर वह 13 फरवरी को मिल लेते तो 14 फरवरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या बोलते। स्मिता ने तलाक न होने की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि दिसंबर 2020 में नीतीश ने एक अंग्रेजी अखबार को इस चालाकी से बयान दिया कि उससे पता चले कि हमारा तलाक हो चुका है।इस मामले की वजह से सबसे ज्यादा तकलीफ मेरे बच्चों को हो रही है। नौ सालों में उन्होंने न तो बच्चों की फीस दी है, न ही मेंटेनेंस के पैसे दिए हैं। कोर्ट का अंतरिम आदेश है प्रत्येक बच्चे के लिए 10 हजार रुपये महीना देना है। एक महीने रुपये देने के बाद उन्होंने कुछ नहीं दिया।वास्तव में इन पर अदालत की अवमानना का मामला बनता है। मेंटेनेंस आर्डर में लिखा है कि उनकी सहमति से ही यह धनराशि देना तय हुआ है। मैं इसलिए चुप हूं कि हम शांति से सम्मान डिगनिटी से जीना चाहते हैं।

## हारेंगे तो भी यहां से बहुत कुछ सीखकर जाएंगे, खेलो इंडिया विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में बोले मोदी



**गुवाहाटी, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों के उद्घाटन के दौरान देश के युवा खिलाडियों को हार से चिंतित होने के स्थान पर इससे सीखने के अवसर के रूप में लेने की सलाह दी। उन्होंने खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए जमकर खेलने, डटकर खेलने की सलाह भी दी।पीएम ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं इस इवेंट में हिस्सा लेने आए सभी खिलाडियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। देश के कोने-कोने से आए आप सभी खिलाडियों ने गुवाहाटी में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भव्य तस्वीर बना दी है। आप जमकर खेलिए, डटकर खेलिए।

खुद जीतिए और अपनी टीम को भी जिताइए हारेंगे तो भी यहां से बहुत कुछ सीखकर जाएंगे। खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों 2023 की शुरुआत शनिवार को गुवाहाटी के सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कबड्डी इवेंट के साथ ही हो गई थी। यद्यपि, इस इवेंट का आधिकारिक उद्घाटन समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज जमुना बोरो को आधिकारिक मशाल सौंपकर समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में पार्श्व गायक और संगीतकार पापोन ने अपनी सुरीली आवाज से एथलीटों और प्रशंसकों का मनोरंजन भी किया।

## नया चिड़ियाघर, सफारी के लिए अनिवार्य होगी सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी, कई निर्देश जारी

**नईदिल्ली, 20 फरवरी [एजेंसी]।**



नया चिड़ियाघर खोलने या वन भूमि पर सफारी शुरू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी अनिवार्य होगी। शीर्ष अदालत ने 2023 के संशोधित वन संरक्षण कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश भर में वन संरक्षण के लिए सोमवार को कई निर्देश जारी किए। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस दलील पर ध्यान दिया कि वन संरक्षण संबंधी 2023 के संशोधित कानून के तहत जंगल की परिभाषा में लगभग 1.99 लाख वर्ग किमी वन भूमि को वन के दायरे से बाहर रखा गया है जिसका उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके अधिकार क्षेत्र के भीतर आने वाली वन भूमि का विवरण इस वर्ष 31 मार्च तक केंद्र को मुहैया कराने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले विवरण को 15 अप्रैल तक अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराएगा।

अदालत ने कहा, पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि के तहत किसी चिड़ियाघर/सफारी को अधिसूचित नहीं किया जाएगा।पीठ ने अंतरिम आदेश में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से टीएन गोदावर्मन तिरुमुलपाद बनाम भारत संघ मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित वन की परिभाषा के अनुसार कार्य करने को कहा। इस मामले में 1996 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वन शब्द को उसके शब्दकोश के अर्थ के अनुसार समझा जाना चाहिए। इसमें सभी मान्यता प्राप्त वन शामिल हैं, चाहे उन्हें आरक्षित, संरक्षित या अन्य रूप में नामित किया गया हो।

# चार दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं स्मृति ईरानी, राहुल गांधी पर हुई हमलावर; कहा- जनता में कांग्रेस के प्रति गुस्सा

**अमेठी, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को चार दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेठी की खाली सड़कों ने राहुल गांधी का स्वागत किया, जो यहां के लोगों में गांधी परिवार के प्रति गुस्से को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अमेठी के लोगों का गांधी परिवार के खिलाफ गुस्सा दिख रहा है। आज जब राहुल गांधी यहां पहुंचे तो खाली सड़कों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज अमेठी राहुल गांधी के दौरे के लिए खाली सड़कों में तब्दील हो गई है। मालूम हो कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के अमेठी में प्रवेश करते ही सियासी घमासान देखने को भी मिला।उन्होंने कहा कि साल 2014 में पीएम मोदी ने अमेठी को बदलाव की राजनीति का वादा किया गया था, जिसके कारण राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित निवेशक शिखर सम्मेलन में अमेठी को 6,523 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने



बताया कि देश जब आजाद हुआ था, तब से लेकर साल 2014 तक करीब साठ से अधिक वर्षों में अमेठी में लघु उद्योग को केवल 500 करोड़ रुपये ही मिले थे। स्मृति ईरानी ने इस दौरान पीएम मोदी की जमकर तारीफ कीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को संसद में और आज यूपी में यह कहते हुए सुना गया कि देश में 1 करोड़ लखपति दीदी बन गई हैं।

मुझे खुशी है कि केवल दो वर्षों में ही सिर्फ अमेठी में 8,000 से अधिक लखपति दीदियां हैं।इस दौरान उन्होंने कांग्रेस परिवार और राहुल गांधी पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आज अमेठी में आए लेकिन यहां पर उनका स्वागत करने के लिए कोई मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि अमेठी के लोग यह भी नहीं भूले हैं कि यह वह व्यक्ति है जिसने अमेठी का जिक्र किया था और कहा था कि यहां के लोगों की समझ ठीक नहीं है। यही कारण है कि इस निर्वाचन क्षेत्र के लोग नाराज हैं।

## नीतीश कुमार के OUT होते ही बदला महागठबंधन का सीट शेयरिंग फॉर्मूला, अब इतनी सीटों पर लड़ सकती है राजद



**पटना, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

बिहार में महागठबंधन से अलग होकर नीतीश कुमार एनडीए के साथ मिलकर सरकार बना चुके हैं। एनडीए सरकार ने कामकाज भी शुरू कर दिया है। दूसरी ओर महागठबंधन सरकार में शामिल राष्ट्रीय जनता दल भी विपक्ष की भूमिका निर्वहन करने में जुट गया है।विपक्ष की भूमिका में आने के साथ ही राजद ने लोकसभा चुनाव के नजदीक आती घड़ियों को देख सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे की जमीन करीब-करीब तैयार कर ली है। 79 से घटकर 76 विधायकों वाली राजद ने बिहार में लोकसभा की सर्वाधिक सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने का फॉर्मूला तैयार किया है। लोकसभा चुनाव में राजद के लिए गलती का कोई मौका नहीं होगा। लोकसभा की एक-एक सीट पर कांटे की टक्कर का आकलन पार्टी पहले ही कर चुकी है। इसलिए सहयोगियों को विश्वास में लेकर वह ऐसी रणनीति चाहती है कि हार का सामना कम से कम करना पड़े।जब जदयू महागठबंधन में था तो उस वक्त जो फॉर्मूला तैयार हुआ था उसके मुताबिक, जदयू-राजद ने 16-16 सीटों पर उम्मीदवार देने का निर्णय लिया। हालांकि उस वक्त भाकपा माले ने नौ सीट जबकि भाकपा-माकपा ने पांच वहीं कांग्रेस ने कम से 11 सीटों पर दावेदार देने की मंशा जाहिर की थी। इस मांग के पूरा होने की संभावना उस वक्त भी कम ही थी।अब प्रदेश के राजनीतिक हालात बदल चुके हैं। जदयू महागठबंधन का हिस्सा नहीं। ऐसे हालात में राजद ने कम से कम 27 से 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार देने का फॉर्मूला बनाया है।राजद की सबसे बड़ी सहयोगी और बिहार में 19 विधायकों वाली पार्टी कांग्रेस को अधिक से अधिक आठ से नौ सीटें दी जाएंगी। जबकि तीन वाम दल मिलाकर पार्टी तीन से चार सीटें मिल सकेंगी।

## कमल नाथ नहीं छोड़ेंगे कांग्रेस, हाईकमान और गांधी परिवार ने मनाया

**भोपाल, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल नाथ पार्टी नहीं छोड़ेगे। हाईकमान और गांधी परिवार ने उन्हें पार्टी नहीं छोड़ने के निए मना लिया है। कमल नाथ के अपने सांसद बेटे नकुल नाथ के साथ भाजपा में शामिल होने की हफ्ते भर से चल रही अटकलों पर कांग्रेस ने सोमवार को आखिरकार विराम लगा दिया। कांग्रेस महासचिव एवं मध्य प्रदेश के प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि कमल नाथ के भाजपा में शामिल होने की खबरें मीडिया और भाजपा की अफवाह है। कमल नाथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और वे राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे। पार्टी ने कमल नाथ को चुनाव से पहले पाला बदलने से रोक जरूर लिया, लेकिन इसके लिए पार्टी हाईकमान से लेकर गांधी परिवार के सदस्यों को कमल नाथ को समझाने-बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाईकमान और कमल नाथ के बीच सुलह कराने में बड़ी भूमिका निभाई। बताया जाता है कि शनिवार से सोमवार तक कमल नाथ से फोन पर कई बार बात की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी रविवार रात कमल नाथ से फोन पर बात कर उन्हें समझाया। कांग्रेस और गांधी परिवार के साथ उनके दशकों पुराने जुड़ाव का हवाला दिया। समझा जाता है कि इसके बाद राहुल गांधी ने भी कमल नाथ को फोन कर उनसे लंबी चर्चा की और पार्टी नहीं छोड़ने का आग्रह किया। सूत्रों की मानें तो गांधी परिवार के एक और सदस्य ने भी कमल नाथ से फोन पर बात की। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद कमल नाथ को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया दिया गया था।

## बलूच छात्रों की गुमशुदगी मामले में पाकिस्तानी PM को तीसरा समन, 29 को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में होगी पेशी

**इस्लामाबाद, 20 फरवरी ।**

कुछ बलूच छात्रों की गुमशुदगी मामले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर को सोमवार को तीसरी बार समन जारी किया।मामले में दूसरी बार पेश नहीं होने के लिए अदालत ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री को फटकार लगाई और उन्हें चेतावनी देते हुए कहा, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। काकर को समन करने के बाद कोर्ट ने 28 फरवरी तक सुनवाई स्थगित कर दी। जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री यह नहीं सोचें कि अदालत में आना अपमानजनक है। नवंबर में अदालत ने सरकार को सात दिन के भीतर लापता छात्रों को बरामद करने का निर्देश दिया था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया था कि अधिकारियों के आदेश का पालन करने में विफल रहने पर गृह और रक्षा मंत्री तथा सचिवों के साथ काकर को 29 नवंबर को कोर्ट में उपस्थित होना पड़ेगा।

विदेश यात्रा पर होने के कारण कार्यवाहक प्रधानमंत्री उपस्थित नहीं हो पाए। आश्वासन के बावजूद लापता बलूच छात्रों को बरामद करने में विफल रहने पर हाई कोर्ट ने 13 फरवरी को देश के अंतरिम मुख्य कार्यकारी और उनके दो कैबिनेट सदस्यों को समन किया था।

# लोक संवेदना अभियान अक्षरशः लागू करेगी सरकार मॉनिटरिंग भी होगी, विजय चौधरी ने विधानसभा में दिया बयान

**पटना, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी मंत्री विजय चौधरी ने सोमवार को सदन में आए एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सरकार लोक संवेदना अभियान को अक्षरशः लागू करेगी। इसकी मानीटरिंग भी होगी। सरकार को इस अभियान को लेकर कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा के नीतीश मिश्रा ने इस प्रश्न को उठाया था। उन्होंने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग ने आठ मार्च 2022 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर लोक संवेदना अभियान पखवारा मनाने के लिए मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग से अनुरोध किया था। पर अभी तक यह मामला लंबित है।इस अभियान के तहत सरकारी दफ्तर पहुंचने वाले जन सामान्य के साथ बेहतर व्यवहार तथा सुविधाएं दी जाने की बात है। सरकारी कर्मियों के व्यवहार में संवेदनशीलता दिखे। उन्होंने सरकार से यह आग्रह किया कि इस आशय का एक सर्कुलर सभी विभागों में एक बार फिर से भेज दिया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी मंत्री विजय चौधरी ने विधानसभा में यह स्पष्ट किया कि अनुमंडल मुख्यालय में सरकारी गेस्ट हाउस खोलने का सरकार का फिलहाल कोई विचार नहीं है।अभी यह सिर्फ जिलों में हो रहा है। जिलों में यह काम पूरा होने पर ही आगे की बात होगी। काराकाट के विधायक अरुण सिंह ने बिक्रमगंज में सरकारी गेस्ट हाउस के निर्माण का मामला उठाया था।

# रक्षा क्षेत्र में बढ़ रही एमएसएमई की भागीदारी मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस में 200 प्रतिशत का हुआ इजाफा

**नईदिल्ली, 20 फरवरी [एजेंसी]।**

रक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिक से अधिक आइटम को सरकार घरेलू स्तर पर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है और इसका फायदा सबसे अधिक एमएसएमई को मिलता दिख रहा है। सरकारी खरीद-बिक्री के लिए बनाए गए पोर्टल जेम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पर अब तक रक्षा क्षेत्र ने एक लाख करोड़ रुपए की खरीदारी की है और उनमें 50 प्रतिशत से अधिक आर्डर एमएसएमई को दिए गए। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में ही जेम पोर्टल से रक्षा मंत्रालय ने 45,000 करोड़ से अधिक की खरीदारी की है। जेम पोर्टल से रक्षा मंत्रालय इन दिनों अंडे से लेकर मिसाइल सिस्टम से जुड़े आइटम तक की खरीदारी कर रहा है। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने रक्षा क्षेत्र से जुड़े 900 से अधिक आइटम के आयात पर अगले पांच साल में पूरी तरह से रोक लगाने का फैसला किया है, ताकि ये सभी आइटम घरेलू स्तर पर बन सके।रक्षा क्षेत्र से जुड़े मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस में 200 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले हेलीकॉप्टर के काकपिट डिस्प्ले का निर्माण करने वाली सेमटेल एविओनिक्स लिमिटेड के एमडी व सीईओ पुनीत कौरा ने बताया कि उनकी कंपनी स्माल श्रेणी की है।पहले सरकार काकपिट डिस्प्ले का आयात




इजरायल व अन्य यूरोपीय देशों से करती थी, जिस पर अब रोक लगा दी गई है और इस कारण ही हमारी जैसी छोटी कंपनियों को निर्माण करने का मौका मिला है। घरेलू स्तर पर निर्माण से उत्पाद की कीमत भी कम होती है और उनका रखरखाव भी आसान हो जाता है।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक रक्षा विभाग एमएसएमई के साथ लंबे समय के लिए (10 साल) अनुबंध कर रहे हैं। पहले इस प्रकार के अनुबंध नहीं किए जाते थे। घरेलू स्तर पर निर्माण का मौका मिलने के साथ रक्षा क्षेत्र के एमएसएमई के निर्यात में भी बढ़ोतरी हो रही है।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा क्षेत्र के आइटम का 20,000 करोड़ से अधिक का निर्यात किया जा चुका है और यह निर्यात इस वित्त वर्ष में 24,000 करोड़ तक जा सकता है। पिछले वित्त वर्ष में 16,000 करोड़ का निर्यात किया गया था।

## अपनी मेहंदी सेरेमनी में जमकर नाचीं दिव्या अग्रवाल फ्लॉन्ट की अपूर्व पड़गांवकर के नाम की मेहंदी



**नईदिल्ली, 20 फरवरी ।**

दिव्या अग्रवाल और अपूर्व पड़गांवकर सालों तक डेट करने के बाद आखिरकार हमेशा-हमेशा के लिए एक होने जा रहे हैं। ये कपल 20 फरवरी को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने जा रहा है। पिछ्ले दो दिन से इस कपल के प्री-वेडिंग फंक्शन हो रहे हैं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। रविवार को इस कपल की कॉकटेल पार्टी का आयोजन हुआ और सोमवार को दिव्या अग्रवाल ने अपने हाथों पिया के नाम की मेहंदी लगवाई। अब एक्ट्रेस की मेहंदी सेरेमनी की फोटो सामने आई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

सोशल मीडिया पर दिव्या अग्रवाल की कुछ फोटो सामने आई हैं, जिसमे वह मीडिया में अपने पिया के नाम की मेहंदी को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। वहीं, दिव्या अग्रवाल अपने मेहंदी सेरेमनी के मौके पर अपने होने वाले पति अपूर्व पड़गांवकर के साथ रोमांटिक भी होती नजर आई। इस खास मौके पर एक्ट्रेस ने पंजाबी लुक को चुना। ग्रीन, येलो और पिंक कलर के हेवी सूट में दिव्या बेहद खूबसूत लग रही थी। तो वहीं दूल्हे राजा अर्पूव पिंक कुर्ते-पजामे और क्रीम कलर की नेहरू जैकेट में नजर आए। इस मौके पर ये कपल एक-दूसरे के साथ कोजी होते नजर आए और दोनों ने साथ डांस भी किया।

# हेयर फॉल की असली वजह जाननी है तो कराएं 7 टेस्ट

**खराब लाइफस्टाइल की वजह से पुरुष हो या महिला दोनों के बाल तेजी से गिर रहे हैं. हेल्थ प्रॉब्लम, तनाव, खानपान और देखभाल की कमी से हेयर फॉल की समस्या बढ़ रही है. ऐसे में एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर किसी के बाल काफी तेजी से झड़ रहे हैं और उन्हें रोकने की हर तरकीब फेल हो गई है तो तुरंत ब्लड टेस्ट करवाना चाहिए. इसके आधार पर हेयर फॉल का सही इलाज ढूंढा जा सकता है. हेयर फॉल की असली वजह जानना में 7 टेस्ट आपकी मदद कर सकते हैं.**

हेयर फॉल का कारण

आनुवंशिकी या हार्मोन की वजह से

तनाव, एंग्जाइटी या ट्रॉमा

ऑटो इम्युनिटी के कारण

महिला की कीमोथेरेपी के बाद

हेयर फॉल की असली वजह जानने के लिए कौन-कौन से टेस्ट

थायरॉइड लेवल

अंडरएक्टिव थायरॉयड के चलते हाइपोथायरायडिज्म और ज्यादा एक्टिव थायरॉयड के कारण हाइपरथायरायडिज्म हो जाता है. अगर समय पर इसका इलाज न किया जाए तो हेयर फॉल हो सकता है. थायरॉइड ङ्गस्॥, स्नङ्ग3 और स्नङ्ग4 हार्मोन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है. ऐसे में ब्लड टेस्ट से पता चलता है कि हर हार्मोन का कितना उत्पादन हो रहा है और थॉयराइड कम एक्टिव या ज्यादा एक्टिव है.

सेक्स हार्मोन

सेक्स हॉर्मोन बालों के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं. महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन होता है, जो डीएचटी में मेटाबोलाइज होकर बालों के रोम में एण्ड्रोजन रिसेप्टर्स को बांध देता है. इससे वे सिकुड़कर बाल पैदा करने बंद कर देते हैं. ब्लड टेस्ट से सेक्स हार्मोन के लेवल का पता चलता है. इसमें टेस्टोस्टेरोन, ऑस्ट्राडियोल, एन्ड्रोस्टेनडायोन, प्रोलैक्टिन और एफएसएच ल्यूटिन हार्मोन होते हैं. हार्मोन का स्तर पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जैसी कंडीशन का संकेत भी दे सकता है, जिसे आमतौर पर बाल झड़ने का कारण माना जाता है.

आयरन और फेरिटिन लेवल

आयरन की कमी यानी एनीमियाकी वजह से भी हेयर फॉल की समस्या हो सकती है. कई अध्ययन में बताया गया है कि सीरम फेरिटिन ब्लड प्रोटीन है, जिसमें आयरन पाया जाता है. इसका लेवल हेल्दी बालों वाली महिलाओं की तुलना में हेयर फॉल वाली महिलाओं में कम होता है. जब आयरन की कमी होती है तो एलोपेसिया एरियाटा तेजी से विकसित हो सकता है. ऐसे में टेस्ट से ब्लड में आयरन और फ़ेरिटिन लेवल से हेयर फॉल का पता चल सकता है.

होल ब्लड काउंट

होल ब्लड काउंट या सीबीसी रेड ब्लड सेल्स, वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की माप करते हैं. ये बालों के रोम के आसपास सूजन के संकेत दे सकते हैं. इससे ऑटोइम्यून स्थिति का संकेत भी मिल सकता है, जो हेयर फॉल का कारण बनते हैं.

विटामिन डी लेवल

विटामिन डी की कमी से ऑटो इम्यूनिटी की समस्या हो सकती है. यही कारण है कि ये एलोपेसिया एरीटा जैसी ऑटोइम्यून बालों के झड़ने की स्थिति की वजह भी बन सकती है. हार्वर्ड हेल्थ के रिसर्च के मुताबिक, विटामिन डी की कमी बालों के झड़ने का कारण हो सकता है.

विटामिन बी लेवल

विटामिन बी में कई अलग-अलग विटामिन पाए जाते हैं. इनमें से कई हेयर फॉल से जोड़े गए हैं.

फोलेट यानी विटामिन बी9 फोलेट फोलिक एसिड के तौर पर भी जाना जाता है. वहीं, बायोटिन यानी विटामिन बी7 और विटामिन बी12 की कमी से भी हेयर फॉल हो सकता है.

ब्लड शुगर

ब्लड शुगर लेवल से डायबिटीज का पता चल सकता है. टाइप 2 डायबिटीज को हेयर फॉलसे जोड़ा गया है. ऐसे में ब्लड शुगर के टेस्ट से बालों के झड़ने का कारण पता चल सकता है और इसका सही इलाज मिल सकता है.

## फरहान अख्तर की अगली फिल्म डब्बा कार्टेल में नजर आएंगी अंजलि आनंद

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम कर चुकीं अभिनेत्री अंजलि आनंद नेटफ्लिक्स के लिए फरहान अख्तर की अगली फिल्म डब्बा कार्टेल में नजर आएंगी। अंजलि वेब शो डब्बा कार्टेल के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। शो का निर्माण फरहान और रितेश सिधवानी की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा किया जाएगा। अभिनेता गजराज राव के साथ दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी इस शो का हिस्सा हैं। यह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और बन टिक्की के बाद शबाना आजमी के साथ अंजलि का तीसरा प्रोजेक्ट होगा। फिलहाल शो के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं है लेकिन शूटिंग पूरी हो चुकी है। अंजलि और अन्य कलाकार गुप्त रूप से एक हाई-स्टेक कार्टेल का संचालन करने वाली गृहिणियों की भूमिका निभाएंगे। डब्बा कार्टेल नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ एक महिला प्रधान अपराध ड्रामा है। कहानी को एक ताज़ा और संवेदनशील अवधारणा के रूप में संदर्भित किया जा रहा है, और यह एक वेब शो से बाहर आने वाली एक और सीमा तोड़ने वाली परियोजना है।

## ज्यादा मीठा खाएंगे तो जल्दी बूढ़े हो जाएंगे आप

मीठा खाना भले ही अच्छा लगता हो लेकिन आगे चलकर यही हमारे शरीर को कई बीमारियां दे सकता है. इसे खाने से कम उम्र में ही कई सारी परेशानियां आपके शरीर पर अटैक कर सकती हैं. यह न सिर्फ सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि समय से पहले बूढ़ा भी बना सकता है. प्रोसेस्ड और रिफाइंड चीनी त्वचा का बुरी तरह नुकसान पहुंचाती है. ऐसे में अगर आप मीठा खाने के शौकीन है और चीनी का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं तो इस आदत को तुरंत बदल लें, वरना जल्दी ही आपका बुढ़ापा आ जाएगा. जानिए आपकी सेहत पर चीनी किस तरह असर डालती है...

चीनी खाने के नुकसान

एक्ने की समस्या

ज्यादा चीनी खाना त्वचा पर मुंहासे बढ़ाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर का शुगर लेवल बढ़ने से उसमें इन्फ्लेमेशन बढ़ जाती है. जिसकी वजह से स्किन पर पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी समस्याएं हो सकती है. इनकी वजह से आप बूढ़े दिखने लग सकते हैं.

झुर्रियां बिगाड़ेंगी त्वचा की खूबसूरती

रिफाइंड शुगर शरीर में ग्लाइसेशन को बढ़ाने का काम करती है. ऐसे में चीनी के अणु स्किन में कोलेजन और इलास्टिन फाइबर से जुड़ जाते हैं, जिसकी वजह से त्वचा इलास्टिन लूज करनेलगती है. इस वजह से स्किन पर रिंकल्स पैदा होने लगते हैं. इसका असर त्वचा की उम्र पर पड़ता है और आप समय से पहले ही बूढ़े नजर आ सकते हैं.

ऑयली स्किन की समस्या

हम सभी के शरीर में नेचुरल ऑयल पाया जाता है, जिसे सीबम कहते हैं. इसका काम स्किन को मॉइस्चराइज करना होता है. जब हम ज्यादा मीठा खाते हैं तो शरीर में सीबम का उत्पादन तेजी से बढ़ जाता है और स्कि से ज्यादा ऑयल निकलने लगती है. इसकी वजह से एक्ने और पिंपल जैसी समस्याएं हो जाती है जो आपमें जल्दी बुढ़ापा लाती हैं.

इन्फ्लेमेशन बढ़ना

चीनी ज्यादा खाने से शरीर में इंफ्लेमेशन रिस्पांस ट्रिगर होता है. इससे त्वचा में सूजन होने लगती है. इस कारण हमारी त्वचा में सोरायसिस और एक्जिमा जैसी बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. स्किन में हुई



इंफ्लेमेशन त्वचा से जुड़ी कई और समस्याएं भी पैदा कर सकती है. जिससे आपकी उम्र ज्यादा लगने लगेगी.

## सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा का नया पोस्टर आया, दिखा जोश से भरा एक्शन अवतार

सिद्धार्थ मल्होत्रा की आने वाली फिल्म 'योद्धा' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म तो मार्च में रिलीज होगी लेकिन फिलहाल फैंस के लिए हाजिर है फिल्म का नया दमदार पोस्टर। आपको उत्साहित करने के लिए यह पोस्टर काफी है। इसमें लीड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा का एक्शन अंदाज कुछ हटकर और आक्रमक नजर आ रहा है। अगर आप सिद्धार्थ के फैन हैं, तो इसे देखने के बाद आप जरूर टीजर का इंतजार करेंगे! रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' के बाद अब सिद्धार्थ 'योद्धा' से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले हैं। इस फिल्म की खासियत यह है कि सिद्धार्थ इसमें जबर्दस्त एक्शन सीन्स करते नजर आने वाले हैं। फिल्म के नए रिलीज किए गए पोस्टर में सिद्धार्थ का एक्शन मोड साफ नजर आ रहा है। सिड के नए अवतार को दिखाने वाले इस पोस्टर के बाद कल फिल्म का टीजर रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में सिद्धार्थ के अलावा दिशा पटानी और राशि खन्ना भी नजर आएंगी। इसका निर्देशन सागर और पुष्कर ओझा मिलकर कर रहे हैं। सिद्धार्थ ने खुद भी इस नए पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट किया है। इस पोस्टर में उनके हाथों में बंदूक नजर आ रही है और



वह अपने टारगेट पर नजर गढ़ाए हैं। पोस्टर में जंग के लिए तैयार दिखते सिद्धार्थ का लुक बेहतरीन और जोशीला नजर आ रहा है। फैंस ने भी उनके इस अंदाज की काफी तारीफ की है। फिल्म की टैगलाइन 'ब्रेस फोर इंपेक्ट' भी अपनी ओर ध्यान आकर्षित करती है।

## अंजलि अरोड़ा की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के ओटीटी शो लॉकअप से अपनी खास पहचान बनाने वाली अंजलि अरोड़ा बेबाक खूबसूरती के लिए काफी जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं अंजलि की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें वह अपनी हॉटनेस से तबाही मचा रही हैं। इंटरनेट पर अंजलि की ये फोटो अब आग की तरह वायरल हो रही हैं।

सोशल मीडिया क्वीन अंजलि अरोड़ा अपने कातिलाना हुस्न के लिए काफी जानी जाती हैं। बी टाउन एक्ट्रेस कंगना रनोट के ओटीटी शो लॉकअप से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं अंजलि हर किसी की फेवरेट बन चुकी हैं।

इस बीच अंजलि अरोड़ा की लेटेस्ट फोटो सामने आई हैं, जिनमें वह अपने स्टनिंग लुक के कहर बरपाती हुईं दिखाई दे रही हैं। आलम ये है कि अंजलि की ये फोटो इस समय इंटरनेट पर आग लगा रही हैं।

सोशल मीडिया पर डांस रील्स वीडियो के जरिए फैंस का मनोरंजन करने वाली अंजलि अरोड़ा इस समय इंडिया की टॉप सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर में शुमार हैं। जिसका अंदाजा आप उनके 13.1 मिलियन फॉलोअर्स के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। इस बीच अंजलि अरोड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है।

इन फोटो में आप देख सकते हैं कि वह येलो और पिंक कलर के कॉम्बिनेशन वाली बेहद हॉट आउटफीट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों से उनकी हॉटनेस का अनुमान लगाया जा सकता है। इससे पहले अंजलि अरोड़ा का ऐसा हद से ज्यादा बोल्ड अंदाज देखने को नहीं मिला होगा।

अंजलि अरोड़ा की इन फोटो को देखकर फैंस का मानना हैं कि वह बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी को भी बोल्डनेस के मामले पीछे छोड़ रही हैं। मालूम हो कि अंजलि की ये लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही है, जिसके चलते इंटरनेट पर उनकी ये फोटो जमकर वायरल हो रही हैं। उनके चाहने वाले इन फोटो पर दिल खोल कर लाइक और कमेंट करते दिख रहे हैं।

कुछ समय पहले अंजलि अरोड़ा का नाम वायरल एमएमएस वीडियो को लेकर काफी चर्चा में बना रहा। हाल ही में अंजलि ने इस मामले को लेकर शिकायत भी दर्ज कराई और दोषियों का पर्दाफाश करने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई।

## 50 करोड़ी हुई शाहिद-कृति की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, फिर बढ़ा फाइटर का कलेक्शन

सिनेमाघरों में हर शुक्रवार को कोई न कोई फिल्म रिलीज होती है। इनमें से कई फिल्में सफलता के झंडे गाड़ देती हैं, तो कई के हाथ असफलता लगती है। इन दिनों भी सिनेमाघरों में कई फिल्में लगी हैं, जो दर्शकों का मनोरंजन करा रही हैं। इनमें कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, रजनीकांत की लाल सलाम और ऋतिक रोशन-दीपिका पादुकोण की फाइटर शामिल है। इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कैसा हाल रहा, ये इनके कलेक्शन से पता चलेगा।

शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की रिलीज को एक हफ्ता पूरा हो गया है। फिल्म अपने दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। दर्शकों को शाहिद-कृति की जोड़ी खूब पसंद आ रही है। फिल्म में एक वैज्ञानिक और रोबोट की प्रेम कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रोबोट की भूमिका कृति सेनन ने निभाई है।

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' 9 फरवरी को दुनिया भर में रिलीज हुई थी। फिल्म ने दूसरे हफ्ते में आते ही 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने रिलीज के पहले हफ्ते में कुल घरेलू कमाई की, 44.35 करोड़ रुपये कमाए। वहीं, दूसरे



हफ्ते में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।, शाहिद और कृति की फिल्म ने नौवें दिन 4.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई 51.95 करोड़ रुपये हो गई है।

ऋतिक रोशन और दीपिका पादिकोण की फिल्म फाइटर दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। फिल्म को रिलीज हुए तीन हफ्ते पूरे हो गए हैं। फिल्म शुरुआत से अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन बीच में फिल्म की कमाई डगमगा गई थी। मगर अब एक बार फिर फाइटर ने अपनी उड़ान भर ली है। चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी फाइटर ने बीते दिन अच्छा कारोबार किया। शनिवार यानी कि 24वें दिन फिल्म ने 1.65 करोड़ रुपये की कमाई की। इसी के साथ ही फिल्म ने 204.2 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम को भी रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो चुका है। फिल्म अपने दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। लाल सलाम शुरुआत से ही धीमी चाल चल रही है। ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी फिल्म लाल सलाम एक हफ्ते में ही फ्लॉप की कगार पर नजर आ रही है। पहले हफ्ते में फिल्म ने 15.08 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, अब दूसरे हफ्ते में भी फिल्म धीमी चाल चल रही है। नौवें दिन फिल्म ने 35 लाख रुपये की कमाई की है। अब तक इसने 15.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

## मुनव्वर के कंधे पर सिर रख हिना खान ने दिए रोमांटिक पोज

बिग बॉस 17 के विनर और स्टैंडअप ऑर्टिस्ट मुनव्वर फारूकी नए म्यूजिक वीडियो को लेकर चर्चा में बने हुए है। खास बात यह है कि इस नए ट्रैक में उनके साथ मशहूर एक्ट्रेस हिना खान भी नजर आएंगी। इस म्यूजिक वीडियो का नाम हल्की हल्की सी है। दोनों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हल्की हल्की सी का फर्स्ट पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में हिना खान को मुनव्वर फारूकी के कंधे पर सिर रखते हुए देखा जा सकता है। बैकग्राउंड में हावड़ा ब्रिज नजर आ रहा है। हिना ने ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई है, इसके साथ उन्होंने सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी कैरी की हैं। वहीं मुनव्वर ने बेज कलर की शर्ट और मैचिंग नेहरू-कॉलर वाली जैकेट पहनी हुई है। पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हल्की-हल्की सी के साथ स्नेह की हल्की-फुल्की फुसफुसाहट को गले लगाने के लिए तैयार हैं। टीजर 20 फरवरी को सुबह 11 बजे सिर्फ प्ले डीएम के ऑफिशियल यूट्यूब पेज पर आ रहा है।

## शब्द सामर्थ्य -339

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रूप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

**ऊपर से नीचे**

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकेंद्र, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।



**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 338 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भू | कं | प | | फा | य | दा | | स |
| प | | ल | ला | ट | | य | ती | म |
| ति | ल | क | | क | न | क | | झ |
| | क्षम | | | | रे | | | |
| ग | ण | क | | सं | श | य | | सी |
| ह | | या | च | क | | म | न्त | त |
| रा | क्ष | स | | र | क्ष | क | | न |
| | त्रि | | | | मि | | | |
| शा | य | री | | का | त | र | | गो |

## बड़े मियां छोटे मियां का टाइटल ट्रैक का टीज़र हुआ रिलीज, स्वैग और स्टाइल दिखाते दिखें अक्षय-टाइगर



सोशल मीडिया इस समय अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां से जुड़ी अपडेट्स से गुलजार है। अली अब्बास जफर की डायरेक्टेड यह फिल्म साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। लुभावने सीन, पोस्टर और टीज़र के रिलीज़ होने के बाद से, फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि बॉलीवुड के दिग्गज अपने गतिशील प्रदर्शन के साथ क्या नया लाएंगे। जहां फैंस फिल्म के टाइटल ट्रैक का इंतजार कर रहे हैं, जो कल आएगा, वहीं मेकर ने इसका टीज़र जारी करके उत्साह बढ़ा दिया है। कुछ समय पहले, बड़े मियां छोटे मियां के मेकर्स ने एक बार फिर इंटरनेट पर हलचल मचा दी है क्योंकि उन्होंने इसके टाइटल ट्रैक का टीज़र जारी किया है। 16 सेकंड की एक वीडियो क्लिप दर्शकों को अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एहम जोड़ी की संक्रामक जीवंतता और सहज स्वैग और स्टाइल से परिचित कराती है। इसके अलावा, शानदार लोकेशन पर बड़े पैमाने पर बनाए गए उत्साह की एक छोटी सी झलक भी उनकी भाईचारे की केमिस्ट्री और अद्भुत डांस मूव्स का संकेत देती है। फिल्म का टाइटल 1998 की रिलीज बड़े मियां छोटे मियां से लिया गया है, जिसमें मूल रूप से मेगास्टार अमिताभ बच्चन और गोविंदा ने अभिनय किया था। एक छोटी सी झलक यह वादा करती है कि इस बार, मेकर्स ने गाने और इंडस्ट्री में एक नई शैली के साथ पूरे वाइब को दोहराया है।

# ग्राम पंचायतों में चल रहे मनरेगा कार्यों में बड़ा फर्जीवाड़ा, फर्जी हाजिरी भरकर निकाल रहे राशि

## मनरेगा में ठेकेदार, रोजगार सहायक परिवार व रिश्तेदारों के नाम से व्यक्तिगत जॉब बनवा रहे

**कोरिया बैकुंठपुर।** मनरेगा के तहत ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। रोजगार सहायक परिवार, रिश्तेदारों के नाम पर फर्जी हाजिरी भरकर राशि निकाल रहे हैं। ऐसे कई मामलों की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन, मनरेगा कार्यालय व लोकपाल तक पहुंच रही है। बावजूद इसके जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है।

मालूम चला है कि मनरेगा के कार्यों में सही निरीक्षण और मूल्यांकन नहीं होने से रोजगार सहायक विभागीय अफसरों के साथ मिलकर बड़ी गड़बड़ी कर रहे हैं। कई जगहों पर फर्जी तरीके से मस्टररोल, फाल्स हाजिरी भर रहे के साथ मनरेगा के कार्यों को ठेके के रूप में बांट दिया जा रहा है, जिसे छोटे ठेकेदारों ने अपनी कमाई का बड़ा जरिया बना लिया है। ठेके में बंट चुके मनरेगा में अब ठेकेदार, रोजगार सहायक अपने परिवार व रिश्तेदारों के नाम से व्यक्तिगत जॉब बनवाकर राशि निकाल रहे हैं। वहीं मनरेगा के कार्यों मजूदरों व मशीनों ने करवाकर जैसे तैसे पूरा करवा रहे हैं। ऐसी ही एक मामले की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में हुई है। ग्राम पंचायत भंडारपारा के शिकायतकर्ता संदीप तिर्की



पिता जीतन तिर्की का आरोप है कि मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में रोजगार सहायक के द्वारा अपने माता, पिता, भाई, उपसरपंच भाभी व अन्य रिश्तेदारों के नाम पर व्यक्तिगत जॉब कार्ड बनाकर फर्जी हाजिरी भरकर राशि निकाली गई है।

ग्राम पंचायत भंडारपारा में मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में ऐसे नामों को भी शामिल किया गया है जो कि गांव के मूलनिवासी नहीं है। मध्यप्रदेश और बैकुंठपुर नगर पालिका क्षेत्र के रहने वालों के नाम पर भी फर्जी जॉब कार्ड बनवाया गया है। हैरानी की बात तो यह है कि रोजगार सहायक के द्वारा परिवार के सदस्यों के नाम पर 100 दिन पूरा होने के बाद जनपद से जॉब कार्ड को डिलीट करवाकर दूसरा जॉब कार्ड बनवाया गया है, जबकि साल में दो जॉब कार्ड नहीं बनाया जा सकता है। मनरेगा से जुड़े ऐसे कई शिकायतों में बताया गया है कि ग्राम पंचायत शंकरपुर, ग्राम पंचायत भंडारपारा, ग्राम पंचायत सलबा, ग्राम पंचायत अमरपुर में मनरेगा के कार्यों में फर्जीवाड़ा चल रहा है। भंडारपारा में 50-60 व्यक्तियों के नाम पर मस्टर रोल निकाला गया है, जबकि 10 से 15 श्रमिक ही काम पर रहते हैं। मामले में विभागीय जांच हो तो कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

### जानिए... कैसे चल रही है गड़बड़ी

कलेक्टर जनदर्शन में हुई शिकायत में बताया गया है कि रोजगार सहायक लीलावती के पिता रामप्रसाद, भाई मोतीलाल, मां द्रौपदी, भाभी शशिप्रभा उपसरपंच के नाम पर जॉब कार्ड बना हुआ है। इसमें परिवार के प्रत्येक सदस्यों के नाम पर जॉबकार्ड है जबकि नियमानुसार परिवार में किसी एक व्यक्ति के नाम पर जॉब कार्ड बनाया जाता है। यही हाल आसपास के अन्य पंचायतों में भी रोजगार सहायकों द्वारा किया जा रहा है।

# अविश्वास प्रस्ताव से हटाया गया जनपद अध्यक्ष को

**वाड्रफनगर।** जनपद पंचायत वाड्रफनगर की कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष गीता सोनपाकर को अविश्वास प्रस्ताव लाकर पद से हटा दिया गया है। हाईकोर्ट से स्थगन आदेश मिलने के कारण उपाध्यक्ष पुष्पा गुप्ता यथावत पद पर बने रहेंगी। अविश्वास प्रस्ताव को लेकर सोमवार को जनपद कार्यालय में गहमागहमी बनी रही। पीठासीन अधिकारी एसडीएम चेतन साहू की उपस्थिति में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान की प्रक्रिया पूरी की गई। जनपद पंचायत वाड्रफनगर में 25 जनपद सदस्य हैं। कांग्रेस शासनकाल में हुए चुनाव के दौरान कांग्रेस समर्थित गीता सोनपाकर को अध्यक्ष और पुष्पा गुप्ता को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया था।छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन के साथ ही जनपद में भी भाजपा के आने की सुगबुगाहट कई दिनों से चल रही थी। पिछले दिनों जनपद सदस्यों ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर मनमानी का आरोप लगाते हुए इनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया था। आरोप था कि अध्यक्ष व उपाध्यक्ष द्वारा मनमानी की जा रही है। वित्तीय अनियमितता और शासकीय राशि के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया गया था।एसडीएम वाड्रफनगर चेतन साहू को पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर सोमवार को इसकी प्रक्रिया पूर्ण कराने की तारीख़ निर्धारित थी। इसे लेकर सुबह से ही गहमागहमी का माहौल था। अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद ही उपाध्यक्ष ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। उन्हें स्थगन आदेश मिल गया था। अविश्वास पर मतदान से पहले उन्होंने स्थगन आदेश प्रस्तुत कर दिया।इस कारण उपाध्यक्ष पद पर कोई विचार नहीं हुआ। अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जनपद सभाकक्ष में वोटिंग कराई गई। अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में 20 सदस्यों ने मतदान किया। इससे अध्यक्ष को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी है। अध्यक्ष के विरुद्ध मनमानी का आरोप लगाते हुए सभी सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाया था। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले एक सप्ताह के भीतर जनपद को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। भाजपा समर्थित जनपद सदस्य के ही अध्यक्ष निर्वाचित होने की पूरी संभावना है।

## आईपीएस परिहार को मिली एसपी की कमान, संभाला कामकाज

**कोरिया बैकुंठपुर।** जिले के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार (भा.पु.से.) ने सोमवार , 19 फरवरी 2024 को विधिवत पुलिस अधीक्षक कोरिया का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक कोरिया ने जिले के राजपत्रित अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनके अधिनस्थ थाना-चौकियों की जानकारी लेते हुए क्षेत्र की गतिविधियों से अवगत हुए। पश्चात जिला पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर जायज़ा लिया। उन्होंने राज्य शासन की नीति और नीयत के अनुरूप बेसिंग पुलिसिंग को पुख्ता करने, अपराधों की रोकथाम और निराकरण करने की दिशा में तेजी से कार्य करने और कानून व्यवस्था में कसावट लाने संबंधी निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए। सूरज सिंह परिहार वर्ष 2015 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी है। इसके पूर्व वे जीपीएम जिले के प्रथम एसपी, महामहिम राज्यपाल के परिसहाय तथा सेनानी 4थी वाहिनी, माना रायपुर में पदस्थ रहे हैं। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर सहित सभी राजपत्रित अधिकारी व जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

# चुनाव प्रक्रिया को स्वंतत्र रूप से सम्पन्न कराने सेक्टर अधिकारी नियुक्त

**कोरिया।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान मतदान केन्द्रो के भौतिक सत्यापन, आवागमन के रूट का सत्यापन तथा मतदान केन्द्रों पर प्रभावी नियंत्रण एंव पर्यवेक्षण और चुनाव प्रक्रिया को स्वंतत्र रूप से सम्पन्न कराने हेतु सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की है।

कलेक्टर ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत के सेक्टर कछाड़ी के लिए वेटनरी असिंसटेंट सर्जन सोनहत डॉ. रामस्वरूप सिंह चंदे, सेक्टर केशगवां के लिए जिला षिक्षा अधिकारी के अस्टिेंट डिस्ट्रिक प्रोजेक्ट श्री अनिल जायसवाल, सेक्टर लटमा के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास विभाग के उप अभियंता श्री नीरज अग्रवाल, सेक्टर कटगोड़ी के लिए शासकीय नवीन महाविद्यालय सोनहत के सहायक प्राध्यापक श्री शैलेष मिश्रा, सेक्टर रजौली के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उप अभियंता श्री भुपेन्द्र कोरचे, सेक्टर चदहा के लिए हायर सेकेन्डरी स्कूल घुघरा के प्राचार्य श्री अजय कुमार ठाकुर, सेक्टर सोनहत के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सोनहत श्री अरविंद कुमार सिंह, सेक्टर आनन्दपुर के लिए अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उप संभाग बैकुण्ठपुर के श्री आर.बी. षिवहरे, सेक्टर गोईनी के लिए अंत्याव्यवसायी विभाग के कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश देवांगन, सेक्टर नटवाही के लिए हायर सेकेन्डरी स्कूल सोनहत के प्राचार्य श्री देवदत्त सिंह, सेक्टर सेमरिया के लिए कृषि विभाग के सहायक संचालक श्री लाल सिंह आर्मो, सेक्टर रामगढ़ के लिए जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के उप अभियंता श्री यशवंत वैष्णव, सेक्टर बंशीपुर के लिए आदिवासी विकास विभाग के मंडल संयोजक श्री रूपेश बंजारे एवं सेक्टर कचोहर के लिए जिला मिषन समन्वयक श्री संजय सिंह को सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किया है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 03 बैकुण्ठपुर के सेक्टर छरछा कालरी के लिए सहायक संचालक कार्यालय जिला षिक्षा अधिकारी श्री प्रकाष कुमार तिवारी, सेक्टर नगर के लिए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगर के प्राचार्य श्री एस.एम. तिर्की, सेक्टर खरवत के लिए सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बैकुण्ठपुर श्री देवेश जायसवाल, सेक्टर महोरा के लिए मण्डल संयोजक आदिवासी विकास श्री सिद्धार्थ खैरवार, सेक्टर भाड़ी के लिए शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर के सहायक प्राध्यापक श्री एम.सी.हिमधर, सेक्टर बैकुण्ठपुर के लिए जिला खेल अधिकारी श्री मुन्नाराम भगत, सेक्टर कटकोना के लिए शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर के सहायक प्राध्यापक श्री जे.आर.कवंर, सेक्टर बुड़ार के लिए वेटनर असिस्टेंट सर्जन, वेटनरी हास्पिटल बैकुण्ठपुर श्री शुभम वर्मा, सेक्टर पटना के लिए जल संसाधन विभाग के उप अभियंता श्री एस.के. ओझा, सेक्टर सरभोका के लिए शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर के सहायक प्राध्यापक श्री विनय शुक्ला को सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किया है। इसी तरह सेक्टर सोरगा के लिए पशु चिकित्सा अधिकारी बैकुण्ठपुर डॉ. राधवेन्द्र शर्मा, सेक्टर रनई पशु चिकित्सा अधिकारी बैकुण्ठपुर डॉ.राकेश कुमार शुक्ला, सेक्टर सलका के लिए वेटनरी असिस्टेंट सर्जन वेटनरी हास्पिटल नगर श्री नीलकंठ राजवाड़े, सेक्टर मनसुख के लिए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कोरिया के वेटनरी असिंसटेंट सर्जन डॉ.आर.पी.शुक्ला, सेक्टर चिलका के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास विभाग के सहायक अभियंता श्री अमित कुमार ताम्रकार, सेक्टर सरईगहना के लिए नगर निवेष के सहायक संचालक श्री शोभित एक्का, सेक्टर बड़गांव के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अनुविभागीय अधिकारी श्री रमोद चैधरी, सेक्टर बरपारा के लिए सहायक मत्स्य अधिकारी बैकुण्ठपुर श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, सेक्टर बंजारीडांड़ के लिए गृह निर्माण मण्डल के उप अभियंता श्री गंगासागर पैकरा, सेक्टर पोड़ी के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बैकुण्ठपुर के सहायक अभियंता श्री ओकांर सिंह, सेक्टर बड़ेसाल्ही के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री मनोज कुमार खलखो, सेक्टर सकरिया के लिए ग्रामीण यांत्रिकी उप संभाग बैकुण्ठपुर के सहायक अभियंता श्री ए.के सिन्हा एवं सेक्टर बडेकलुआ के लिए सर्जन वेटनरी हास्पिटल के वेटनरी असिटेंट सर्जन डॉ.सौरभ बनर्जी को सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किया है।

## गोपनीय सामग्री प्राप्त करने हेतु सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

**कोरिया।** जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा संचालित की जाने वाली हाईस्कूल तथा हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2024 परीक्षा 01 मार्च से 23 मार्च 2024 के मध्य आयोजित किया जाना है। उपरोक्त परीक्षा के गोपनीय सामग्री का वितरण 21 फरवरी को रायपुर से प्राप्त कर जिले की समन्वयक संस्था शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर में जमा किया जाना है उक्त गोपनीय सामाग्री का वितरण 23 फरवरी 2024 को किया जायेगा। गोपनीय सामाग्री प्राप्त कर बैकुंठपुर समन्वयक संस्था में जमा करने तथा वितरण कार्य हेतु शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बैकुण्ठपुर श्री देवेश कुमार जायसवाल एवं सोनहत श्री जागेश्वर राम भगत द्वारा किया जाना है। इस हेतु नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर श्री कामेश सिंह कश्यप को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में आवेशित किया गया हैं। श्री देवेश कुमार जायसवाल एवं जागेश्वर राम भगत के साथ गोपनीय सामग्री प्राप्त करने हेतु 21 फरवरी 2023 को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर में उपस्थित होने निर्देशित किया गया है।

## विद्यार्थी दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 1 लाख रूपये की राशि मंजूर

**कोरिया।** विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुडेली में अध्ययनरत् छात्रा स्व. प्रियंका कुर्रे पालनकर्ता श्रीमती अन्नु सोनवानी की मृत्यु 10 अक्टुबर 2023 को सड़क दुर्घटना में हो गई थी। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने सड़क दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत मृतक छात्र के वैध वारिस को 1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। ज्ञातव्य है कि इस योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 एवं 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के दुर्घटना में घायल अथवा मृत्यु होने पर क्षतिपूर्ति दिया जाता है।

## ढाबा संचालक से चोरी का 30 लीटर डीजल जप्त, चौकी तारा पुलिस की कार्यवाही

**सूरजपुर।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने थाना-चौकी प्रभारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर पैनी नजर रखने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में दिनांक 18.02.2024 को चौकी तारा पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि तारा मेन रोड़ स्थित बबलू ढ़ाबा संचालक के द्वारा अवैध चोरी का डीजल रखा है। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए ढ़ाबा में दबिश दिया। संचालक बबलू उर्फ श्याम बहादूर साहू पिता कन्हैयालाल उम्र 35 वर्ष के कब्जे से 30 लीटर डीजल बरामद किया गया जिसके संबंध में वैध दस्तावेज की मांग किए जाने पर संचालक के द्वारा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया जो चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 41(1-4)/379 भादसं के तहत कार्यवाही कर 30 लीटर जप्त किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी तारा बृजकिशोर पाण्डेय, आरक्षक देवनीश मिंज, छत्रपाल सिंह व रामचन्द्र साहू सक्रिय रहे।

## नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी पर ठगी का आरोप, युवाओं की भीड़ पहुंची कलेक्टोरेट

**अंबिकापुर।** बेहतर काम और ऊंची पगार का झांसा देकर नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी ने सरगुजांचल के बेरोजगार युवक-युवतियों से बड़ी रकम की ठगी कर ली। वादे के विपरीत काम देने और राशि वापस नहीं करने से परेशान युवाओं ने कलेक्टोरेट पहुंच कर शिकायत की। एसडीओपी अखिलेश कौशिक ने उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना। जांच के बाद आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

# कोरिया के युवा बन सकते हैं अग्निवीर, 8वीं पास युवा के लिए भी है सुनहरे अवसर

**कोरिया।** जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरिया से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय थलसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 22 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक वेबसाइट www. Joinindi anarmy. nic.in पर ऑनलाइन पंजीयन 22 मार्च 2024 तक भर सकते हैं। भर्ती प्रथम चरण में ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा तथा द्वितीय चरण में भर्ती रैली एवं चिकित्सा परीक्षण के माध्यम से होगी। उम्मीदवार की आयु 31 अक्टूबर 2024 की स्थिति में साढ़े 17 वर्ष से 21 की होनी चाहिए। अग्निवीर सामान्य ड्यूटी के लिए 10वीं कक्षा में 45 प्रतिशत अंकों के साथ प्रत्येक विषय में 33 अंक प्राप्त किया हो, ग्रेडिंग सिस्टम होने पर 10वीं कक्षा में सी ग्रेड एवं प्रत्येक विषय में कम से कम डी ग्रेड आवश्यक है। ऐसे आवेदक जिनके पास लाइट मोटर व्हीकल का ड्राइविंग लायसेंस होगा, उन्हें ड्राइवर के पद पर प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क/अग्निवीर स्टोर कीपर तकनीकी, अग्निवीर ट्रेड्समैन, अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (महिला) मिलिट्री पुलिस पदों में आवेदन करने के लिए यह सुनहरे अवसर है ताकि भारतीय थलसेना में सेवा करने का अवसर मिलेगा। बता दें अग्निपथ नामक सेना बल भर्ती हेतु भारत सरकार की योजना है, इसमें भर्ती होने वाले युवा अग्निवीर कहलाएंगे। भर्ती प्रथमत: चार वर्षों के लिए है। चार वर्ष उपरांत 75 प्रतिशत अग्निवीर सेना से सेवा मुक्त परंतु अर्धसैनिक बलों एवं राज्य पुलिस बलों में नियोजन के अवसर, 25 प्रतिशत अग्निवीर को पुन: भारतीय सेना बल में आगे लिए नियुक्ति की जाएगी। भर्ती



केवल ऑनलाइन पंजीकृत प्रवेश पत्र प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए है, निवास प्रमाण-पत्र जिलाधीश/ अनुविभागीय अधिकारी/ तहसीलदार द्वारा जारी किया गया। चरित्र प्रमाण-पत्र ग्राम पंचायत/ सरपंच/ पार्षद/ शाला प्रधानाचार्य/ थाना प्रभारी द्वारा तीन के अंदर जारी किया गया हो। मोबाइल नम्बर लिंक्ड आधार कार्ड आवश्यक है, इसके अलावा 20 नवीनतम रंगीन पासपोर्ट फोटोग्राफ जरूरी है। 21 वर्ष से अधिक या शादीशुदा उम्मीदवार भर्ती के योग्य नहीं होंगे। इस संबंध में विशेष व आवश्यक जानकारियां भारतीय थल सेना की वेबसाइट www.Joinindia narmy. nic. in तथा जिले के जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से सम्पर्क कर सकते हैं। भारतीय सेना ने अपने संदेश में कहा कि सेना सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है। भारतीय सेना में चयन निष्पक्ष, पारदर्शी और केवल योग्यता के आधार पर होता है। भारतीय सेना अभ्यर्थियों को अनाधिकृत व्यक्तियों से सावधान रहने की सलाह देती है।

## गिट्टी की रकम लेकर भागा हाइवा चालक झारखंड से गिरफ्तार

**सूरजपुर।** गिट्टी का 25 हजार रुपये लेकर फरार हाइवा चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित चालक अमरदीप किण्डो (38) ग्राम बाड़ी खजरी थाना भण्डरिया का रहने वाला था। हाइवा को आधे रास्ते पर खड़ी कर वह गिट्टी बिक्री का 25 हजार लेकर भाग गया था। आरोपित को उसके गांव से पकड़ा गया। उसके पास से 25 हजार रुपये भी बरामद कर लिया गया है। घटना धौरपुर थाना क्षेत्र की है।चन्देश्वरपुर धौरपुर निवासी सियाराम यादव का क्रशर है। लटोरी, जिला सूरजपुर निवासी महेश जायसवाल के आर्डर पर उसने हाइवा वाहन क्रमांक सीजी 15 डीसी 2226 में 850 वर्ग फीट गिट्टी भेजा था। गिट्टी की कीमत 25 हजार रुपये होती है। वाहन चालक अमरदीप किण्डो गिट्टी लोड हाइवा लेकर गए थे। हाइवा वाहन को लेकर चालक शाम तक वापस नहीं आया। जब क्रशर संचालक ने पता चला कि महेश जायसवाल द्वारा गिट्टी का 25 हजार रूपये दिया था।

## सेवानिवृत्त कर्मचारी को बैंक देगा एक लाख क्षतिपूर्ति

**अंबिकापुर।** अंबिकापुर की स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं) ने भारतीय स्टेट बैंक क्रेडिट कार्ड सेवा के विरुद्ध महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं) की अध्यक्ष उर्मिला गुप्ता ने भारतीय स्टेट बैंक कलेक्टोरेट शाखा अंबिकापुर व भारतीय स्टेट बैंक क्रेडिट कार्ड इकाई बिलासपुर को आदेशित किया है कि वे सेवानिवृत्त कर्मचारी सतीश श्रीवास्तव को उनके खाते से काटे गए 43 हजार 625 रुपये वापस करने के साथ ही 50-50 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि व 20 हजार रुपये व परिव्यय पांच-पांच हजार रुपये प्रदान करें। बैंकिंग सेवा में ग्राहक की शिकायतों की सुनवाई नहीं करने तथा न्यायालय द्वारा मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर स्थायी लोक अदालत ने गंभीर टिप्पणी की है। अंबिकापुर के गोधनपुर निवासी सतीश कुमार श्रीवास्तव करारोपण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उनका खाता भारतीय स्टेट बैंक कलेक्टोरेट में है।

# बीमार होने पर चिकित्सा कराएं, बैगा गुनिया से बचे, किया जागरूक

**कोरिया बैकुंठपुर।** यूनिसेफ, एमसीसीआर, उपजास और जिला स्वास्थ्य विभाग का संयुक्त आयोजन छत्तीसगढ़ के जगदलपुर जिले के तोकापाल में, बस्तर संभाग स्तर के एक दिवसीय कार्यशाला के आयोजन का मुख्य विषय बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर पारंपरिक चिकित्सक, बैगा, गुनिया, सिरहा , वैद्य और चिकित्सा विशेषज्ञों के बेहतर तालमेल और समन्वय था।



उक्त स्वास्थ्य संबंधी विमर्श यूनिसेफ, मीडिया कलेक्टिव फ़ॉर चाइल्ड राइट्स, उपजास, जिला स्वास्थ्य विभाग एवं राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। जॉब जकारिया, चीफ फील्ड ऑफिसर, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ ने कहा कि, बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण, उनके भविष्य के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है ।बच्चों में सम्पूर्ण टीका करण उनमे, गंभीर और असाध्य रोगों से लड़ने और बचने में कवच के रूप में कार्य करता है। डॉक्टर गजेंद्र सिंह,स्वास्थ्य विशेषज्ञ यूनिसेफ ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिये बच्चों में 12 गंभीर बीमारियों व उनसे बचाव, गर्भवती महिलाओं के पोषण, किशोरी बालिकाओं में मासिक धर्म के दौरान उचित देखभाल और स्वास्थ्य खान पान और टीकाकरण के बारे में जानकारी दी। इस परिचर्चा में नवजात शिशुओं के लिए 1000 दिन तक आवश्यक स्तनपान, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य जांच आदि विषयों पर और जिले के सदूर अंचल एवं शहरी क्षेत्र में संचालित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यशाल में, पारंपरिक चिकित्सको और स्वास्थ्य विशेषज्ञ के बेहतर तालमेल पर विचार रखते हुए, डी .श्याम कुमार, राज्य समन्वयक मीडिया कलेक्टिव फॉर चाइल्ड राइट्स ने कहा कि स्तनपान से बच्चों की रोग प्रतिरक्षक क्षमता बढ़ती है और माताओं को स्तन कैंसर से बचाव होता है। डॉक्टर मैत्री, जिला टीकाकरण अधिकारी ने पोलियो टीकाकरण से मिली सुरक्षा को तुलनात्मक ढंग से बताते हुए टीकाकरण के फायदे और 12 प्रकार की बीमारियों से बचाव होता है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में, बैगा, वुनिया, सिरहा के साथ समन्वित चर्चा में स्वास्थ्य संबंधित जानकारी एवं उनके विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से दिया गया और साथ ही समन्वित प्रयास और एकरूपता के लिए कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में विशेष रूप से, बॉल परितोष दास सामाजिक नीति विशेषज्ञ, विशाल वासवानी डीडीआर ऑफिसर, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, स्वास्थ्य मित्र, और बस्तर संभाग के विभिन्न जिलो से आये, पारंपरिक वैद्य, बैगा, गुनिया और सिरहा और स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। साथ ही लोक प्रशिक्षक प्रमोद पोटाई श्याम दीवान, अनिल सेठिया, अंगद सेठिया, किरण सेठिया, आदि उपस्थित थे।

# धान खरीदी पूर्ण, 65 केंद्रों में 3.42 लाख क्विंटल धान जाम होने से परेशानी

### उठाव से संबंधित मार्कफेड के दावों की हवा निकली



**कोरबा।** बीते वर्षों के मुकाबले अबकी बार जिले में सरकारी समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से उपार्जित किये गए धान के उठाव के मामले में गंभीरता बिल्कुल नहीं दिखाई जा रही है। अंतिम रूप से 4 फरवरी तक जिले में खरीदी गई धान की 3 लाख 42 हजार 268 क्विंटल धान का उठाव अब तक नहीं हो सका है। 65 में से केवल एक केंद्र में शत्-प्रतिशत उठाव संभव हो सका। फिलहाल उठाव के लिए बची हुई धान का संबंध 64 केंद्रों से है। उठाव में हो रहे विलंब के कारण समितियां परेशान हैं और मार्कफेड के लचर रवैये के कारण हैरान भी हैं।

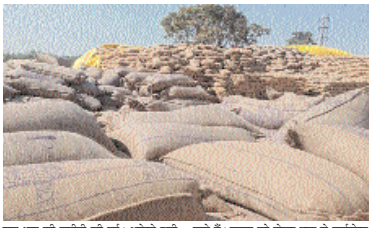

जिले में इस बार 25 लाख क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य सरकार की ओर से दिया गया था। कई कारणों से 31 जनवरी तक सभी किसानों के धान नहीं खरीदी जा सकी और काफी लोग इस मामले में पिछड़ गए। विभिन्न क्षेत्रों से आई रिपोर्ट के अनुसार कोरबा जिले में भी 4 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया और इसके तहत 4 फरवरी तक धान की खरीदी की गई। अकेले इसी अवधि में 3 लाख 68 हजार क्विंटल धान का उपार्जन किया गया। अंतिम रूप से जिले में 28 लाख 68 हजार क्विंटल धान की खरीदी 55 हजार 244 किसानों से की गई। जिन्होंने इस सीजन में धान बेचने के लिए अपना पंजीकरण कराया था। जबकि तकनीकी कारणों से साढ़े सात हजार किसानों की छंटनी की गई वहीं नए सिरे से सैकड़ों किसानों के नाम जोड़े गए। त्रि-स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत धान की खरीदी, भुगतान और उठाव जैसे कामकाज कराए जाते हैं। उठाव को लेकर शुरू से मार्कफेड की ओर से बड़े दावे किये जा रहे थे और 72 घंटे के भीतर समितियों से धान का उठाव कराने की बात कही गई लेकिन स्थितियां वैसी नहीं है। बढ़ी हुई अवधि में खरीदी गई धान को एक पखवाड़े से ज्यादा समय होने पर भी 64 केंद्रों में अभी भी 3 लाख 42 हजार 268 क्विंटल धान का उठाव नहीं हो सका है। इसमें 10 हजार 394 क्विंटल सरना और 3 लाख 31 हजार 850 क्विंटल मोटा धान शामिल है। 64 स्थानों पर इतनी धान अरसे से पड़ी हुई है जो उठाव के लिए प्रतिक्षित है। समितियों की ओर से कई बार इस बारे में मार्कफेड को अवगत कराय गया। जहां से बार-बार यही कहा जा रहा है कि मिलर्स को डीओ जारी कर दिए गए हैं और बहुत जल्द उठाव हो जाएगा। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि या तो मार्कफेड भ्रामक जानकारी दे रहा है या फिर राइस मिलर्स पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है। पूरे मामले में इनसे अलग और कोई कारण नहीं हो सकता जिसके चलते धान का उठाव लंबित है।

### केवल रंजना में शत् प्रतिशत उठाव

वर्ष 2024 में उपार्जन केंद्र रंजना का नाम ही शत् प्रतिशत उठाव के मामले में शामिल हो सका है। सूचनाओं के मुताबिक इस केंद्र में 23 हजार 322 क्विंटल मोटा धान क्रय किया गया था। इस पूरी मात्रा का उठाव अंतिम खरीदी के बाद कर लिया गया। 19 फरवरी 2024 को उपार्जन केंद्रवार धान प्राप्ति व जारी विवरण में बताया गया कि केवल इसी केंद्र में शत् प्रतिशत धान का उठाव हुआ है बाकी 64 केंद्रों में उठाव के लिए काफी मात्रा इंतजार कर रही है।

# गीतकुंआरी में आलू व मूंगफली को रौंदकर शहर पहुंचा दंतैल



**कोरबा।** जिले के कुदमुरा रेंज अंतर्गत गीतकुंआरी में मौजूद दंतैल हाथी बीती रात दो ग्रामीणों के खेत व बाड़ी में लगा आलू व मूंगफली की फसल को रौंदकर धरमजयगढ़ व कुदमुरा की सरहद पर पहुंच गया है। गीतकुंआरी में फसल नुकसान पहुंचाए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग की अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आंकलन शुरू कर दिया है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक दंतैल द्वारा मचाए गए उत्पात में ग्रामीणों को हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। वन विभाग पीड़ितों को मुआवजा प्रदान करेगा सो सर्वे पश्चात् रिपोर्ट तैयार कर मुआवजा स्वीकृति के लिए अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

उधर कटघोरा वनमंडल में हाथियों की मौजूदगी लगातार बनी हुई है। 42 की संख्या में हाथी जहां एतमानगर रेंज के कठमोरगा जंगल में विचरण कर रहे हैं वहीं 8 हाथियों का दल केंदई रेंज के लालपुर सर्किल से आगे बढ़कर कोरबी में प्रवेश कर गया है। कोरबी सर्किल में आधा दर्जन से अधिक हाथियों के पहुंचने की सूचना मिलने पर संबंधित क्षेत्र का स्टाफ सतर्क हो गया है। हाथियों की निगरानी करने के साथ ही कोरबी व आसपास के गांवों में मुनादी कराई जा रही है। ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि क्षेत्र के जंगल में हाथी घूम रहे हैं अत: वे सावधानी बरतें तथा हाथियों व उसकी मौजूदगी वाले जंगल से दूरी बनाए रखें।

## मंडलों में लगाए जाएंगे चौपाल

**कोरबा।** भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा सभी मंडलो में चौपाल लगाए जाएगें इसके लिए 24 फरवरी तक मंडलो में बैठक लेकर जगह का चयन करना होगा।

चौपाल में केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी जाएगी। चौपाल लगाने के लिए विस्तारक नियुक्त कर दिए गए है। कटघोरा में आयोजित बैठक में जिला प्रभारी राहुल शराफ ने कार्यकर्ताओं को सभी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी बैठक में वरिष्ठ नेता पवन गर्ग, संतोष देवांगन, पंकज सोनी, प्रीति स्वर्णकार, सुभाष राठौर, शमजीत सिंं, रामअवतार पटेल, धनजंय चौहान, सुजीत सिंह, विशाल सहित अनेको कार्यकर्ता मौजूद थे। नारी शक्ति योजना वंदन योजना के तहत महिला मोर्चा के द्वारा महिला समूहो से लगातार जनसपर्क किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष श्रीमती वैशाली रत्न पारखी के द्वारा सभी मंडलो में दौरा जारी है। पिछले दिनों कटघोरा में विकसित भारत यात्रा के पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया गया। यह जानकारी मंडल महामंत्री राजेन्द्र टंडन ने दी है।

### बरेठ समाज के सदस्यों ने ईकाईयों का किया दौरा

**कोरबा।** बरेठ समाज के जिलाध्यक्ष मिलापराम के द्वारा सभी ईकाईयों में दौरा किया जा रहा है। पिछले दिनों सर्वमंगला नगर कुसमुंडा बल्गी व बांकीमोंगरा में बैठक ली गई। जिसमें 23 फरवरी को होने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन के संबंध में जानकारी दी गई। ईकाई सदस्यों ने ईकाईयों में किए जा रहे कार्यो को बताते हुए कहा कि सूची बनाने का काम लगातार किया जा रहा है। इस बैठक में प्रदीप सोनसर्वा, जनाराम कर्ष, लाल चंद संतोष कर्ष, चेतन कर्ष, प्रवीण रजक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

### कोयला कामगारों को मिला पारितोषिक

**कोरबा।** एसईसीएल मानिकपुर मंनोरजन क्लब के द्वारा प्रत्येक वर्षपारितोषिक वितरण किया जाता है। कल भी सदस्यों को बुलाकर समान दिए गए। इस दौरान अतिथि के रूप में कार्मिक प्रबंधक के.पी. सिंह, शक्ति सिंह, मोहन प्रधान, संजय सिंह, नलीन पवार, भागवत सिंह, प्रमोद बनर्जी, उज्जवल बनर्जी, राजू श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिनी लाल साहू, भूषण नारगें, भैरव सिंह, रामलाल साहू सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया।

### सोहागपुर खदान का निरीक्षण

**सोहागपुर।** एसईसीएल सेप्टी कंपनी के सदस्यों ने सोहागपुर खदान पहुंचकर निरीक्षण करते हुए कोयला कामगारों से मुलाकात की। सेप्टी सदस्य धर्माराव सहित अन्य सदस्यों ने कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट के आधार पर अब आगे का काम किया जाएगा।

### वैकल्पिक मार्ग लटका

**कोरबा।** ढेंगुरनाला सीएसईबी से होकर बालको मार्ग को कनेक्ट करने वाले वैकल्पिक मार्ग पर आधारित काम लटक गया है। पिछले पांच साल में इसकी कोई सुध नहीं ली गई। बुनियादी स्तर पर यह काम पूरा हो चुका है।

# ट्रैक्टर ने बाइक को ठोका, दो की मौत, एक व्यक्ति घायल



**कोरबा।** नेशनल हाईवे 130बी पर रजकम्मा के पास हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ है। पीड़ित पक्ष बाइक पर सवार था जिसे ट्रैक्टर ने चपेट में लिया। कटघोरा पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज किया है।

बताया गया कि बाइक पर सवार होकर इतवार सिंह, गंगाबाई और एक अन्य व्यक्ति अपने गृहग्राम की तरफ जा रहे थे। इसी दरम्यान विपरित दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें ठोक दिया। दुर्घटनाकारित ट्रैक्टर रजकम्मा के एक किसान का बताया जा रहा है। जिसके चालक की लापरवाही से यह घटना हुई। घटना में इतवार व गंगा ने दम तोड़ दिया वहीं एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आई है जिसे कटघोरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक चिकित्सा के बाद उसकी स्थिति को नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज कोरबा रेफर किया गया। प्रकरण के बारे में पता चलने पर पुलिस ने संज्ञान लिया। ट्रैक्टर चालक के विरूद्ध आईपीसी की धाराओं के अंतर्गत कायम कर अगली कार्रवाई की जा रही है।

### हत्यारों पर कार्रवाई नहीं, जलाया पुतला

**कोरबा।** प्रदेश के कवर्धा जिले में जिस तरह से एक गौसेवक की हत्या की गई है उससे उससे पूरा छत्तीसगढ़ काफी आक्रोशित है। कोरबा जिले में उस घटना की आग फैल गई है। कोरबा के दर्री क्षेत्र में गौ सेवकों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया। गौ सेवकों का आरोप है,कि सरकार दोषियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रही है। अगर जल्द ही इस दिशा में कार्रवाई नहीं हुई तो उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की बात कही गई है।

### श्रीराम के दर्शन के लिए पदयात्री रवाना

**कोरबा।** सीतामणी के रामजानकी मंदिर में पूजा अर्चना करने के साथ आज पूर्वान्ह दर्शनार्थियों का जत्था अयोध्या के लिए रवाना हुआ। ये सभी पदयात्रा करते हुए अयोध्या पहुंचेंगे। अधिकतम 20 दिन में इन्होंने अयोध्या पहुंचने की योजना बनाई है। समूह में कुल 11 सदस्य हैं जो कोरबा के रहने वाले हैं। कोरबा से रवानगी के दौरान शुभचिंतकों ने उनका स्वागत किया और सुखद यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को संपन्न हुई। जिसके बाद से देश और दुनिया भर से दर्शनार्थियों की पहुंच अयोध्या तक हो रही है।

**नशीली दवा खपाने वाली चेन जिले में सक्रिय**

## रजवाना और चंद्रवेश के खुलासे पर पंतोरा से दबोचा गोलू को



**कोरबा।** अवैध कारोबार पर रोक लगाने को लेकर पुलिस काम कर रही है। सभी क्षेत्रों में अभियान पर काम जारी है। उरगा पुलिस ने दो आरोपियों के कब्जे से कल प्रतिबंधित दवा पकड़ी थी। उनके खुलासे के बाद गोलू मिरी को गिरफ्तार किया गया।

पड़ोसी जिले जांजगीर-चांपा के पंतोरा में रहने वाले गोलू मिरी की भूमिका का खुलासा रजवाना बेगम और चंद्रवेश महंत ने उरगा पुलिस के सामने किया था। इन दोनों के कब्जे से पुलिस ने 276 नग प्रतिबंधित दवा जब्त की थी। नशे के सामान के रूप में इन्हें जाना जाता है। इसलिए इसे प्रतिबंधित श्रेणी में शामिल किया गया है। विशेष परिस्थितियों में पंजीकृत डॉक्टर के द्वारा प्रीस्क्रीप्शन लिखने पर ही फार्मासिस्ट की ओर से ये दवाएं मरीज को उपलब्ध कराई जाती है। इसके अभाव में यह सेवा नहीं मिल सकती। इसके बावजूद विभिन्न क्षेत्रों में नशेड़ियों को उनकी इच्छा पूरा करने के लिए गिरोह काम कर रहे हैं। उरगा पुलिस ने इसी कड़ी में प्रतिबंधित दवाओं को पकड़ा। उनके खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया और पूछताछ की गई जिसमें पता चला कि पंतोरा के रहने वाले गोलू मिरी के माध्यम से इस तरह की दवाई उन्हें मिलती थी और फिर वे इसे अपने चहेतों को मुहैया कराते थे। सूचना के खुलासे पर पुलिस ने पंतोरा से गोलू को अपनी जद में लिया। उसने इस तरह के काम किये जाने के पीछे काम करने वाले नेटवर्क के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# सरकार के बजाय अपने हिसाब से ड्यूटी कर रहे खोडरी के प्रधानपाठक

### छात्रों ने बताया- कभी कभार वे दिखते हैं यहां

**कोरबा।** कटघोरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत खोडरी के प्राथमिक स्कूल में पदस्थ प्रधान पाठक को सरकार से महीने का पूरा वेतन तो चाहिए लेकिन कामकाज पूरे दिन नहीं करना है। सूचनाओं के अनुसार उनकी उपस्थिति औसत से भी कम है। सहयोगियों के साथ-साथ बच्चों को इसकी जानकारी है। प्रधान पाठक जीपी रस्तोगी के गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण विद्यालय में पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

कोरबा जिले में कटघोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत खोडरी में संचालित शासकीय प्राथमिक स्कूल की दशा काफी बिगड़ गई है।

स्कूल के प्रधानपाठक स्कूल के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भूल गए है। स्कूल को व्यवस्थित किया जाना है यह बात शायद वो भूल गए हैं,यही वजह है,कि वो नियमित रुप से स्कूल नहीं आते। सप्ताह में केवल चार दिन ही उनके दर्शन होते हैं और वो आधे समय के लिए जिसके बाद वो कहां जाते हैं,किसी को कुछ पता नहीं है। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों ने कैमरे के सामने पूरी बात बताई।

प्रधानपाठक रस्तोगी सर चालाक भी काफी है। उनके कारनामों पर अधिकारियों की नजर ना पड़े इसके लिए इसके लिए हाजिरी रजिस्टर में वो फर्जी हस्ताक्षर कर देते हैं और तिथी भी नहीं दर्शाते। बहरहाल इस दिशा में अधिकारियों को ध्यान देने की जरुरत है ताकी बच्चों का भविष्य बर्बाद होने से बच सके।

### जांच कर करेंगे कार्रवाई

खोडरी में प्रधान पाठक की अनियमित ड्यूटी को लेकर सूचनाएं प्राप्त हुई है। मामला संज्ञान में आया है। इसकी जांच करने के साथ उचित कार्रवाई के लिए अधिकारी को अनुशंसा की जाएगी।

**-आई.पी.कश्यप, बीइओ कटघोरा**

## सर्वर का झमेला, परेशान करता है ग्रामीणों को

**कोरबा।** बालको नगर से कुछ दूरी पर स्थित सोनपुरी में पीडीएस का राशन प्राप्त करना लोगों को काफी महंगा पड़ रहा है। आसपास के कई गांव के लोग इस केंद्र से जुड़े हुए हैं जिन्हें कई घंटे पहले ही लाइन लगानी पड़ती है। समय पर सर्वर डाउन होने के चलते ग्रामीणों को कई घंटे जाया करने पड़ते हैं, तब कहीं जाकर उन्हें राशन मिल पाता है। ग्रामीण चाहते हैं कि बार-बार की यह समस्या स्थाई रूप से दूर की जाए।

सस्ती कीमत पर लोगों को राशन की सुविधा देने के लिए सरकार ने सार्वजनिक उचित मूल्य की दुकान शुरू कराई हैं शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकार की दुकानों का संचालन कराया जा रहा है। विकासखंड कोरबा के अंतर्गत सोनपुरी में पीडीएस दुकान के माध्यम से आसपास के कई गांव के लोगों को सुविधा दी जा रही है। राशन लेने के लिए लोगों को कई घंटे पहले यहां पर आना होता है और समस्या तब होती है जब उन्हें बता दिया जाता है कि सरवर काम नहीं कर रहा है। अपने जरूरी कामकाज छोड़कर सोनपुरी आने वाले लोगों को इससे चक्कर में बेहद परेशानी पड़ रही है। लोगों ने बताया कि इस प्रकार की समस्या उन्हें हर महीने बर्दाश्त करनी पड़ती है। जबकि पीडीएस दुकान के संचालक का कहना है कि वह लोगों को सुविधा देने की मानसिकता में है लेकिन तकनीकी समस्या के आगे उसका कोई नियंत्रण नहीं है। समय के साथ तकनीकी क्षेत्र में कई प्रकार के सुधार की जा रहे हैं और व्यवस्था को बेहतर किया जा रहा है जरूर इस बात की है कि औद्योगिक नगर बालको के आसपास ग्रामीण लोगों को राहत देने के लिए अच्छी योजना बनाई जाए और उसका क्रियान्वयन भी किया जाए

# बिगड़ गए अध्यक्ष से रिश्ते, पार्षदों के आवेदन पर अविश्वास प्रस्ताव पर कार्यवाही कल

**छुरीकला ।** नगर पंचायत छुरीकला के अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद ग्राम पंचायत छुरीखुर्द के 13 पंचों द्वारा ग्राम सरंपच श्रीमती सत्या भारिया पति प्रमोद भारिया के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आवेदन अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा को दी गई थी जिस पर संज्ञान लेते हुए 21 फरवरी बुधवार को दोपहर 12 बजे ग्राम पंचायत छुरीखुर्द भवन मे 13 पंचों को उपस्थित होने की सूचना दी गई है ।

विकास खण्ड कटघोरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत छुरीखुर्द के महिला सरंपच श्रीमती सत्या भारिया पति प्रमोद भारिया द्वारा निर्माण कार्य मे अनियमितता तथा निर्माण कार्य किये बैगेर राशि आहरण किये जाने मामले को लेकर ग्राम के 13 पंच दिलीप भारिया , सुरेंद्र भारिया , परदेशी राम भारिया, रामसाय , श्रीमती ललिता यादव



उपसरपंच , पूर्णिमा मंहत , किरण मंहत , बोधन भारिया , राधिका भारिया , द्वारा सरंपच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आवेदन अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा दिया गया था , जिस पर अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा ने पंचायत अधिनियम 1994 उपनियम 3 के तहत संज्ञान लेते हुए धारा 21 के तहत सरंपच श्रीमती सत्या भारिया के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के लिए ग्राम पंचायत भवन छुरीखुर्द मे दोपहर 12 बजे आवश्यक कार्यवाही हेतु पंचो को उपस्थिति की सूचना दी गई है ।

### कुसुमलता जायसवाल का निधन

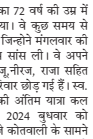



**कोरबा।** नगर के प्रतिष्ठित नागरिक लायन आनंद प्रसाद जायसवाल की धर्म पत्नी श्रीमती कुसुमलता जायसवाल का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ थीं जिन्होने मंगलवार की सुबह अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे पुत्र राजू,नीरज, राजा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। स्व. कुसुमलता की अंतिम यात्रा कल 21 फरवरी 2024 बुधवार को प्रात: 10 बजे कोतवाली के सामने गांधी चौक स्थित निवास से प्रारम्भ होगी। मोतीसागर पारा मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com